रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 74] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 4, 2015/फाल्गुन 13, 1936
No. 74] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 4, 2015/PHALGUNA 13, 1936

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 मार्च, 2015

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (उपस्थिति अस्तित्व) विनियम, 2015

सं. पीएफआरडीए/12/आरजीएल/139/3.—पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 (2013 का 23) की धारा 52 की उपधारा (2) के खंड (ङ), खंड (ठ), खंड (ढ), खंड (ण) और खंड (त) के साथ पठित उसकी उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :--

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. सक्षिप्त नाम और प्रारंभ--(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (उपस्थिति अस्तित्व) विनियम, 2015 है ।

विनियम का उद्देश्य राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के लिए एक स्वतंत्र, सुदृढ़ और प्रभावी वितरण तंत्र को प्रोत्साहित करने और यह सुनिश्चित करने का है कि उपस्थिति अस्तित्व की विपणन पद्धतियां अभिदाताओं के हितों के संवर्धन और संरक्षा के लिए ऋजु, दक्ष और पारदर्शी हों ।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. **परिभाषाएं**—(1) इन विनियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) "अधिनियम" से पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 (2013 का 23) अभिप्रेत है ;

(ख) "संपरीक्षक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 224 के अधीन किसी कंपनी के लेखाओं की संपरीक्षा के लिए अर्हित है ;

(ग) "भारत का नागरिक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57) के अधीन भारत का नागरिक होने के लिए अर्हक है ;

(घ) "कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन विरचित और रजिस्ट्रीकृत कोई कंपनी अभिप्रेत है ;

(ङ) "अनुपालन अधिकारी" से उपस्थिति अस्तित्व से उत्तरदायी ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसे उस रूप में पदाभिहित और अधिनियम या उसके अधीन प्राधिकरण द्वारा बनाए गए नियमों या विनियमों के उपबंधों या जारी की गई अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, परिपत्रों या अनुदेशों का उपस्थिति अस्तित्व द्वारा अनुपालन किए जाने को मानीटर करने के उत्तरदायित्व का भार सौंपा गया है ;

(च) "आई. पिन" से केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली अभिदाय लेखांकन नेटवर्क प्रणाली की वेबसाइट को इंटरनेट के माध्यम से लॉगिन करने के लिए अभिदाता को अधिप्रमाणित करने हेतु प्रयुक्त पहचान अभिप्रेत है ;

(छ) "टी. पिन" से अंतरक्रियागत ध्वनि प्रतिक्रिया प्रणाली में अभिदाता को अधिप्रमाणित करने के लिए प्रयुक्त पहचान का संख्यांक अभिप्रेत है ;

(ज) "उपस्थिति अस्तित्व-कारपोरेट" से ऐसा अस्तित्व (इकाई) अभिप्रेत है, जो प्राधिकरण द्वारा केवल अपने कर्मचारियों और निदेशकों के संबंध में उपस्थिति अस्तित्व के रूप में कार्य करने के लिए रजिस्ट्रीकृत है ;

(झ) "उपस्थिति अस्तित्व-उप इकाई" से ऐसा अस्तित्व (इकाई) अभिप्रेत है, जिसे किसी रजिस्ट्रीकृत अस्तित्व द्वारा इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट किसी उपस्थिति अस्तित्व का कोई भी कृत्य या बाध्यता सौंपी गई है और जिसे प्राधिकरण द्वारा स्वीकार किया गया है ;

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन विनियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किंतु अधिनियम में परिभाषित हैं, वे ही अर्थ होंगे, जो संबंधित अधिनियमों में उनके हैं ।

अध्याय 2

उपस्थिति अस्तित्वों का रजिस्ट्रीकरण

3. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए आवेदन—(1) ऐसा कोई आवेदक, जो इन विनियमों में विनिर्दिष्ट पात्रता मानदंड को पूरा करता है, उपस्थिति अस्तित्व के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दिए जाने के लिए ऐसे आवेदन प्ररूप में, जो प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और उसके द्वारा आवेदक प्रदाय किया जाए, आवेदन कर सकेगा । आवेदक, आवेदन प्रपत्र में विनिर्दिष्ट रीति में आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए आवेदन तथा प्रशासनिक फीस के मद्दे 10,000 रुपये की अप्रतिदेय फीस का संदाय करेगा। प्राधिकरण आवेदक से ऐसा आवेदन प्राप्त होने के सात दिन के भीतर उस आवेदन प्ररूप के प्राप्त होने की अभिस्वीकृति रसीद देगा ।

(2) आवेदक प्राधिकरण से उपस्थिति अस्तित्व के रूप में रजिस्ट्रीकरण दिए जाने के उसके आवेदन को स्वीकार किए जाने के बारे में संसूचना प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर पच्चीस हजार रुपए की आरंभिक रजिस्ट्रीकरण फीस का संदाय करेगा ।

(3) ऐसे आवेदन को, जो सभी प्रकार से पूर्ण न हो और आवेदन प्ररूप तथा इन विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अनुदेशों के अनुरूप न हो, नामंजूर कर दिया जाएगा :

परंतु ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने के पूर्व आवेदक को, ऐसे समय के भीतर, जो प्राधिकरण विनिर्दिष्ट करे, आवेदन वापस लेने या सभी प्रकार से भरने और गलतियों को, यदि कोई हों, दूर करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा ।

(4) प्राधिकरण आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए आवेदक से अतिरिक्त जानकारी की ईप्सा कर सकेगा :

परंतु प्राधिकरण आवेदन पर कार्रवाई करने में ऐसी अतिरिक्त जानकारी की सुसंगति के बारे में कारण लेखबद्ध करेगा ।

(5) कोई भी उपस्थिति अस्तित्व, जिसे अधिनियम के अधीन प्राधिकरण की स्थापना के ठीक पूर्व अंतरिम पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा उस रूप में कृत्य करने की अनुज्ञा प्रदान की गई थी और वह अनुज्ञा इन विनियमों को अधिसूचित किए जाने की तारीख को या उसके पश्चात् विधिमान्य बनी हुई है, इन विनियमों के अधिसूचित किए जाने से नब्बे दिन की अवधि तक या यदि वह इन विनियमों को अधिसूचित किए जाने के नब्बे दिन के भीतर रजिस्ट्रीकरण दिए जाने का आवेदन करता है तो प्राधिकरण द्वारा उसको आवेदन का निपटारा किए जाने तक, उस रूप में कृत्य करना जारी रख सकेगा ।

4. योग्य और समुचित व्यक्ति- मानदंड या पात्रता—(1) उपस्थिति अस्तित्व के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करने का आशय रखने वाले किसी व्यक्ति के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित होगा और उस तारीख को, जिसको आवेदन प्राधिकरण द्वारा पहली बार प्राप्त किया गया है, आवेदक द्वारा निम्नलिखित पात्रता शर्तें पूरी करने की तारीख समझा जाएगा, अर्थात् :--

(क) किसी वित्तीय विनियामक द्वारा, जिसके अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण और राष्ट्रीय आवास बैंक भी है, रजिस्ट्रीकृत और विनियमित हो ;

(ख) उसकी भारत में न्यूनतम पन्द्रह शाखाएं हों तथा प्रत्येक शाखा में प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण से इलैक्ट्रानिक रूप से जोड़े जाने की सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना और क्षमता है । उपस्थिति अस्तित्व द्वारा इन शाखाओं में से प्रत्येक द्वारा "टी + 1" आधार के अपश्चात्, जहां टी से वह दिन अभिप्रेत है, जिसको उपस्थिति अस्तित्व के पास स्पष्ट निधियां उपलब्ध हों, अभिदाता का अभिदाय और जानकारी इलैक्ट्रानिक रूप से प्रेषित करने की क्षमता और प्रदर्शित की गई होनी चाहिए ;

(ग) उसके पास दो करोड़ रुपए का, जिसके अंतर्गत ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन को न्यूनतम पचास लाख रुपए की पूंजी भी है, न्यूनतम शुद्ध धन (समादत्त पूंजी जमा नि:शुल्क आरक्षितियां) हो ;

(घ) उसका पिछले पांच वित्तीय वर्षों में से ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन को तीन वर्ष का क्रमिक लाभदायी रिकार्ड (कर के पश्चात् लाभ) होगा और पिछले दो वित्तीय वर्षों में कोई नकद हानि नहीं होनी चाहिए ;

(ङ) फुटकर वित्तीय सेवाओं अथवा उत्पादों के विपणन या विक्रय के कारबार में लगा होगा ;

(च) किसी वित्तीय क्षेत्र के विनियामक या किसी न्यायालय द्वारा पूर्ववर्ती पांच वर्षों में से किसी में नैतिक अधमता वाले किसी अपराध, आर्थिक अपराधों, किसी प्रतिभूति या बैंककारी विधि के अतिक्रमण या कपट के लिए दोषसिद्धि और अवरोध आदेशों का न होना ;

(छ) ऐसे किन्हीं अन्य मानदंडों के अनुरूप होना, जो प्राधिकरण द्वारा अभिदाताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए और पेंशन उद्योग के क्रमिक विकास के लिए संकल्पों, अधिसूचनाओं, परिपत्रों, मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में समय-समय पर विनिर्दिष्ट किए जाएं :

परंतु,--

(i) केन्द्रीय या राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम; या

(ii) किसी केन्द्रीय या राज्य अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत कोई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम; या

(iii) ऊपर वर्णित (i) या (ii) के अधीन न आने वाली कोई अन्य इकाई, संगठन या कंपनी, जिसके कर्मचारियों की न्यूनतम संख्या प्राधिकरण को आवेदन किए जाने की तारीख को तीन सौ है और जो अपने कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली खातों की प्रस्थापना करने की वांछा रखती है, उपस्थिति अस्तित्व के माध्यम से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से जुड़ सकती है या प्राधिकरण को इस प्रकार विनिर्दिष्ट आवेदन प्रारूप में तथा केवल दस हजार रुपए की रजिस्ट्रीकरण फीस के साथ आवेदन करके उपस्थिति अस्तित्व-कारपोरेट के रूप में रजिस्ट्रीकृत कराए जाने का विकल्प अपना सकेगी । प्राधिकरण कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए, आवेदक को, उपस्थिति अस्तित्व-कारपोरेट के रूप में आवेदन करते समय इस विनियम में यथावर्णित किसी या सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करने से छूट प्रदान कर सकेगा । वे नियोजक, जो अपने कर्मचारियों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली की प्रस्थापना करने की वांछा रखते हैं और जो उपरोक्त में से किसी के अंतर्गत नहीं आते हैं, केवल उपस्थिति अस्तित्व के माध्यम से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से जुड़ेंगे । यह अभिमुक्ति आवेदक को केवल अपने कर्मचारियों और निदेशकों, न कि अन्यों के संबंध में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली खाते की प्रस्थापना करने से दी जाएगी ।

5. सूचना का प्रकटन—(1) प्राधिकरण, अभिदाताओं के हित को ध्यान में रखते हुए, आवेदक द्वारा किए गए ऐसे आवेदन पर, प्राधिकरण द्वारा यथाविनिर्दिष्ट वेबसाइट पर, जिसके अंतर्गत आवेदक द्वारा बनाई गई वेबसाइट भी है, ऐसी सूचना डालकर जनसाधारण को प्रकट कर सकेगा :

परंतु आवेदक द्वारा दी गई अन्य सुसंगत सूचना और जो आवेदक की वाणिज्यिक गोपनीयता और प्राइवेट सूचना से, जिसे वह गोपनीय बताए, संबंधित है, प्राधिकरण द्वारा, किसी विधि या नियमों या विनियमों के उपबंधों के या, यथास्थिति, किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा उद्घोषित किसी आदेश या विनिश्चय के, जो ऐसे प्रकटन को आज्ञापक बनाता हो, अधीन रहते हुए प्रकट नहीं की जा सकेगी ।

(2) इन विनियमों के अधीन दी गई या वेबसाइट पर डाली गई सूचना में के किसी तात्विक परिवर्तन की सूचना आवेदक द्वारा तुरंत, किंतु ऐसे परिवर्तन के होने के पन्द्रह दिन के भीतर दी जाएगी ।

6. सूचना और स्पष्टीकरण का दिया जाना—(1) विनियम 3 के उपविनियम (4) के अधीन रहते हुए, प्राधिकरण आवेदक से आवेदन के निपटारे के प्रयोजन के लिए कोई अतिरिक्त सूचना या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा और तत्पश्चात्, ऐसे किसी अन्य विषय के बारे में, जो प्राधिकरण द्वारा आवश्यक समझा जाए, आवेदक या उसका प्रधान अधिकारी, यदि ऐसी अपेक्षा की जाए, आवेदन के संबंध में किसी व्यक्तिगत अभ्यावेदन के लिए प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होगा ।

(2) आवेदक ऐसी सूचना और स्पष्टीकरण, प्राधिकरण के समाधानप्रद रूप में प्राधिकरण द्वारा इस बारे में विनिर्दिष्ट समय के भीतर देगा ।

7. सूचना का सत्यापन—(1) आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन, दी गई सूचना और उसकी पात्रता पर विचार करते समय, प्राधिकरण, यदि वह ऐसी वांछा करे, दस्तावेजों, कार्यालय स्थल का भौतिक सत्यापन कराकर सूचना को सत्यापित कर सकेगा और कार्यालय स्थल की उपलब्धता, अवसंरचना और तकनीकी अवलंब, जिसका आवेदक के पास होना अपेक्षित है, का निरीक्षण कर सकेगा ।

IndiaCode

(2) प्राधिकरण, सूचना के सत्यापन के प्रयोजन के लिए, किसी व्यक्ति को, जिसके अंतर्गत उसका कोई अधिकारी या कोई बाहरी संपरीक्षक या अभिकरण भी है, नियुक्त कर सकेगा ।

8. आवेदन पर विचार किया जाना—(1) प्राधिकरण, आवेदन की पात्रता तथा ऐसे आवेदक को प्रमाणपत्र दिए जाने पर विचार करते हुए, उन सभी विषयों को ध्यान में रखेगा, जो वह पेंशन सेक्टर और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से सुसंगत समझे, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित हैं, किंतु जो निम्नलिखित तक सीमित नहीं हैं,--

(क) क्या आवेदक या उसके किसी सहयोजक को, पूर्व में, विनियामकों में से किसी के द्वारा, जिनके अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय आवास बैंक भी है, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दिए जाने से इंकार किया गया है और यदि हां, तो ऐसे इंकार के कारण ;

(ख) क्या आवेदक पर, पिछले पांच वर्षों में, खंड (क) में निर्दिष्ट विनियामकों में से किसी के द्वारा या किसी न्यायालय या अधिकरण द्वारा विनियामकों के विनियमों, निदेशों, मार्गदर्शक सिद्धांतों और परिपत्रों के अतिक्रमण से संबंधित मामलों में शास्तियां अधिरोपित की गई हैं और यदि हां तो ऐसे इन्कार के आधार और क्या उसे नैत्तिक अधमता वाले किसी अपराध, आर्थिक अपराध, किसी प्रतिभूति या बैंककारी विधि के अतिक्रमण या कपट के अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है ;

(ग) क्या आवेदक इन विनियमों में विनिर्दिष्ट पात्रता के मानदंडों और अपेक्षाओं को पूरा करता है ;

(घ) क्या आवेदक को प्रमाणपत्र का दिया जाना अभिदाताओं के हित में है या पेंशन सेक्टर के या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के क्रमिक विकास, के उद्देश्यपरक है ।

(2) प्राधिकरण, प्राधिकरण द्वारा अवधारित तारीख, समय और अवस्थान में प्रस्तुतिकरण करने के लिए आमंत्रित कर सकेगा । ऐसे प्रस्तुतिकरण का प्रयोजन आवेदकों को, प्राधिकरण को अपने प्रस्ताव और अपने प्रस्तावों की प्रमुख तत्वों को प्रस्तुत करने के लिए अनुज्ञात करने का है ।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने के ऐसे किसी आवेदन को,-

(क) जो सभी प्रकार से पूर्ण नहीं है और अपेक्षाओं तथा इस विनियमों में विनिर्दिष्ट सुसंगत अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है ; या

(ख) जिसमें प्राधिकरण द्वारा यथा अपेक्षित अतिरिक्त जानकारी नहीं है ; या

(ग) जो अशुद्ध, मिथ्या या भ्रामक प्रकृति का है ; या

(घ) जहां आवेदक ने इन विनियमों या सुसंगत विनियमों के अधीन नियत पात्रता की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं किया है ; या

(ङ) जो प्राधिकरण की राय में अभिदाताओं के हित में नहीं है और/या पेंशन सेक्टर तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के क्रमिक विकास के उद्देश्यपरक हित में नहीं है ;

(च) जहां आवेदक 'योग्य और समुचित व्यक्ति' नहीं है या इन विनियमों में यथा उपबंधित अपेक्षाओं का पालन नहीं कर रहा है, प्राधिकरण द्वारा लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से नामंजूर कर दिया जाएगा ।

(4) आवेदन नामंजूर किए जाने के पूर्व, आवेदक को उन व्यक्तियों को, जिन्हें दूर किया जा सकता है, तत्प्रयोजनार्थ प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर उन त्रुटियों को दूर करने के लिए लिखित में अवसर दिया जाएगा :

परंतु जहां आवेदन इस कारण से नामंजूर किया जाता है कि इसमें मिथ्या या भ्रामक जानकारी अंतर्विष्ट है, वहां ऐसा अवसर प्रदान नहीं किया जा सकेगा और आवेदक इन विनियमों के अधीन या किन्हीं अन्य विनियमों के

अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त किए जाने के लिए ऐसी नामंजूरी की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक कोई आवेदन नहीं करेगा ।

(5) विनियम 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने संबंधी आवेदन का, जो सभी प्रकार से पूर्ण हो, प्राधिकरण द्वारा सामान्यतया ऐसा अनुरोध प्राप्त होने की तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर, निपटारा किया जाएगा ।

9. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने की प्रक्रिया—(1) प्राधिकरण, इस बात का समाधान होने पर कि आवेदक पात्र है, अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट प्ररूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करेगा और इस बारे में आवेदक को सूचना भेजेगा :

परंतु जहां प्राधिकरण या किसी न्यायालय या अधिकरण में कोई कार्यवाही लंबित है जिसके परिणामस्वरूप रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निलंबित या रद्द किया जा सकता है, वहां प्राधिकरण सशर्त रजिस्ट्रीकरण अनुदत्त कर सकेगा ।

(2) सफल आवेदक, जिसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र दिया गया है, उसे अपनी शुद्ध मालियत का एक प्रतिशत या पांच लाख रुपये, इनमें से जो भी अधिक हो, के बराबर प्रतिभूति निक्षेप रूप में जमा कराना अपेक्षित होगा। अधिकतम प्रतिभूति निक्षेप 20 लाख रुपये से अधिक का नहीं होगा। विनिर्दिष्ट निक्षेप को किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में जमा करना होगा। जो आवेदक को प्राधिकरण की पूर्व अनुज्ञा अभिप्राप्त करने पर या उतनी सीमा तक की बैंक गारंटी देने पर ही दी जाएगी, अन्यथा नहीं । ऐसा जमा प्रमाणपत्र, जिस पर प्राधिकरण का धारणाधिकार सम्यक् रूप से अंकित हों, प्राधिकरण को सत्यापन के लिए पेश करने के पश्चात् उपस्थिति अस्तित्व द्वारा प्रतिधारित किया जाएगा ।

(3) प्रत्येक उपस्थिति अस्तित्व प्राधिकरण को उस बैंक द्वारा, जिसमें ऐसी सावधि जमा राशि रखी गई है, प्रमाणित विवरण, जब कभी उससे ऐसा करने की अपेक्षा की जाए, देगा ।

(4) यदि प्राधिकरण की प्रथमदृष्टया यह राय है कि उपस्थिति अस्तित्व या उपस्थिति अस्तित्व, के अधीन कार्यरत उप इकाई और प्राधिकरण के पास रजिस्ट्रीकृत उपस्थिति अस्तित्व ने रजिस्ट्रीकरण के निबंधनों और शर्तों का अतिक्रमण किया है या अधिनियम, नियमों या विनियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन किया है, तो प्राधिकरण ऐसे उपस्थिति अस्तित्व के विरुद्ध जांच या अन्वेषण के लंबित रहने तक प्रतिभूति निक्षेप को कुर्क करने के आदेश पारित कर सकेगा ।

(5) उपस्थिति अस्तित्व द्वारा प्रतिभूति निक्षेप की इस अपेक्षा का अधित्यजन किए जाने का अनुरोध करने पर, प्राधिकरण अभिदाताओं के हित को ध्यान में रखते हुए, लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से, प्रतिभूति निक्षेप की अपेक्षा का अधित्यजन करने पर विचार कर सकता है ।

(6) उपस्थिति अस्तित्व, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्राप्ति की तारीख से तीस कार्यदिवसों के भीतर राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास और केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण के साथ किसी अन्य मध्यवर्ती के अतिरिक्त, जैसे प्राधिकरण द्वारा निदेश दिया जाए, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के परिचालनशीलता के लिए एक पृथक् करार करेगा ।

10. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की शर्तें—प्राधिकरण द्वारा उपस्थिति अस्तित्व को अनुदत्त कोई रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होगा, अर्थात् :--

(क) जहां उपस्थिति अस्तित्व अपनी प्रास्थिति या गठन में परिवर्तन करने का प्रस्ताव करता है, वहां वह अपनी प्रास्थिति या गठन में ऐसे परिवर्तन के पश्चात् उपस्थिति अस्तित्व के रूप में कार्य करना जारी रखने के लिए प्राधिकरण का पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करेगा ;

(ख) वह सुसंगत विनियमों के अनुसार लागू फीसों और उद्ग्रहणों का संदाय करेगा ;

(ग) वह अधिनियमों, विनियमों के उपबंधों, ऐसे निदेशों, मार्गदर्शक सिद्धांतों और परिपत्रों को, जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएं, से आबद्धकर होगा ;

(घ) वह इस प्रकार अनुदत्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की संपूर्ण अवधि के दौरान इन विनियमों में विनिर्दिष्ट पात्रता मानदंडों और अन्य अपेक्षाओं को पूरा करेगा :

परंतु प्राधिकरण ऐसी अन्य और अतिरिक्त शर्तें अधिरोपित कर सकेगा, जो वह अभिदाताओं के हित में तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली या पेंशन सेक्टर के क्रमिक विकास के लिए ठीक समझे ।

11. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने से इन्कार किए जाने का प्रभाव—(1) जहां किसी विद्यमान उपस्थिति अस्तित्व को इन विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने से इंकार किया गया है या उसने अपना रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभ्यर्पित कर दिया है या उसे विनियमों द्वारा यथा अपेक्षित नवीकरण फीस का संदाय न करने के कारण प्राधिकरण द्वारा उपस्थिति अस्तित्व के रूप में कार्य करने से वितर रहने का निदेश दिया गया है या न्यायालय के किसी आदेश द्वारा उसे परिसमापन करने का निदेश दिया गया है, वहां ऐसा उपस्थिति अस्तित्व-

(क) ऐसे उपस्थिति अस्तित्व के रूप में कार्य करने से तुरंत विरत हो जाएगा ;

(ख) अपने क्रियाकलाप ऐसे किसी अन्य उपस्थिति अस्तित्व को अंतरित करेगा जिसे ऐसे क्रियाकलाप करने के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है और अभिदाताओं को प्राधिकरण द्वारा यथा निदेशित किसी अन्य उपस्थिति अस्तित्व के पास जाने को अनुज्ञात करेगा और सभी अंतर्निहित अभिदाताओं को उपस्थिति अस्तित्व में ऐसे परिवर्तन और उसके कारणों की सूचना देगा ;

(ग) उपस्थिति अस्तित्व द्वारा उपगत या गृहीत दायित्व, यदि कोई हो, के बारे में उपबंध करेगा ;

(घ) ऐसी अन्य कार्रवाई ऐसी समय-सीमा के भीतर और ऐसी रीति में करना, जो लागू विनियमों के अधीन अपेक्षित हो या जैसा प्राधिकरण द्वारा निदेश दिया जाए ।

(2) इन विनियमों के अधीन उपस्थिति अस्तित्व को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने से इंकार करते समय, प्राधिकरण उपस्थिति अस्तित्व के अभिदाताओं के हित की संरक्षा के लिए उपस्थिति अस्तित्व पर ऐसी शर्तें अधिरोपित कर सकेगा जो वह ठीक समझे और उन शर्तों का पालन किया जाएगा ।

12. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की विधिमान्यता की अवधि—(1) अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, उपस्थिति अस्तित्व को अनुदत्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य बना रहेगा जब तक कि उसे प्राधिकरण द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए ।

(2) जहां रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र शर्तों के अधीन रहते हुए अनुदत्त किया गया है, वहां ऐसे रजिस्ट्रीकरण को ऐसी शर्तों के अध्यधीन माना जाएगा ।

(3) उपस्थिति अस्तित्व रजिस्ट्रीकरण की तारीख से या प्राधिकरण द्वारा अंतिम बार प्रतिगृहीत नवीकरण फीस के संदाय की तारीख से पांच वर्ष के अवसान के पूर्व नब्बे दिन के भीतर नवीकरण फीस के प्रतिग्रहण के लिए प्राधिकरण को विनिर्दिष्ट प्ररूप में आवेदन कर सकेगा :

परंतु यदि आवेदन नवीकरण फीस सहित प्राधिकरण के पास नवीकरण फीस के संदाय के लिए शोध्य तारीख से एक वर्ष के अपश्चात् पहुंचता है, तो विलंब की ऐसी अवधि के लिए एक हजार रुपए प्रतिमास की अतिरिक्त फीस आवेदक द्वारा प्राधिकरण को संदेय होगी ।

(4) नवीकरण फीस राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली कारबार से पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उपार्जित प्रभारों के आधे प्रतिशत की दर पर परिकलित राशि होगी, जो कि नवीकरण फीस के रूप में न्यूनतम पच्चीस हजार रुपए और अधिकतम एक लाख रुपए के अध्यधीन होगी ।

13. कतिपय मामलों में पात्रता मानदंड से छूट—(1) यदि कोई आवेदक, जिसके अंतर्गत ऐसी इकाइयां या संस्थाएं भी हैं जो केवल आनलाइन अभिदाता रजिस्ट्रीकरण, लेखा संक्रिया और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से संबंधित सेवा संबंधी क्रियाकलाप करने का प्रस्ताव करती हैं, इन विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट पात्रता मानदंडों में से कोई

मानदंड पूरा नहीं करता है तो वह प्राधिकरण को आवेदन करके सम्यक् औचित्य बताते हुए ऐसे पात्रता मानदंडों को पूरा करने से छूट देने की ईप्सा करते हुए अनुरोध कर सकेगा ।

(2) यदि प्राधिकरण की राय में, आवेदक द्वारा किसी पात्रता मानदंड के पूरा न किए जाने से और जिसके लिए शिथिलीकरण की अपेक्षा की गई है, अभिदाताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो वह लेखबद्ध किए जाने वाले कारणों से ऐसे मानदंड से छूट प्रदान कर सकेगा । प्राधिकरण, ऐसी परिस्थितियों में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त करने के लिए ऐसी अतिरिक्त शर्तें अधिरोपित कर सकेगा जो वह ठीक समझे ।

अध्याय 3
उपस्थिति अस्तित्व के कर्तव्य और उत्तरदायित्व

14. उपस्थिति अस्तित्व के कर्तव्य और उत्तरदायित्व—(1) उपस्थिति अस्तित्व अपनी सेवा-शाखाओं के, जिनके अंतर्गत वे कार्यालय भी है, जहां संपूर्ण कारबार संक्रियाएं पूर्णतया आनलाइन प्लेटफार्म से की जाती हैं, माध्यम से निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों तथा प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए किन्हीं मार्गदर्शक सिद्धांतों और निदेशों तथा राष्ट्रीय पेंशन न्यास के पास निष्पादित परिचालन सेवा स्तरीय ठहरावों और प्राधिकरण के मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास द्वारा जारी की गई किसी मानक परिचालन प्रक्रिया के अनुसार करेगा,-

I (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के लिए आरंभिक ग्राहक पारस्परिक क्रिया के संबंध में कर्तव्य :

(क) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के बारे में संभावी अभिदाताओं की शंकाओं पर विचार करना ;

(ख) प्राधिकरण द्वारा यथा अनुमोदित स्कीम के उपबंधों के अनुसार सूचना, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से संबंधित आवेदन प्ररूपों, प्रस्थापना दस्तावेजों से संबंधित सूचना या कोई अन्य प्रचार सामग्री भी है, उपलब्ध कराना और प्रदर्शित करना ;

(II) अभिदाता के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में कर्तव्य :

(क) धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 17), जिसमें उसके संशोधन भी हैं, के अधीन यथा अपेक्षित समय-समय पर लागू अपना ग्राहक जानो संबंधी दस्तावेजीकरण के साथ सम्यक् रूप से भरे गए आवेदन प्ररूप प्राप्त करेगा तथा प्राधिकरण द्वारा सभी अभिदाताओं के लिए अपना ग्राहक जानों सत्यापन प्रक्रियाओं का प्रभावपूर्ण उपयोग करके ग्राहक संबंधी सम्यक् तत्परता प्रक्रियाएं करेगा ;

(ख) उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास के बीच के करार में यथाउपबंधित सेवा मानकों में यथा विनिर्दिष्ट जांचों को उपस्थिति अस्तित्व करेगा ;

(ग) धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (2003 का 17), जिसमें उसके संशोधन भी हैं और उसके अधीन समय-समय पर बनाए गए विनियमों के यथा लागू उपबंधों के अनुसार, उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं के सभी संव्यवहारों को बनाए रखेगा और उनकी रिपोर्ट देना सुनिश्चित करेगा ;

(घ) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली खाता खोले जाने के समय आरंभिक अभिदाय और अभिदाताओं द्वारा न्यासी बैंक में उनके द्वारा तत्पश्चातवर्ती अभिदायों के संग्रहण और पारेषण के लिए उपस्थिति अस्तित्व उत्तरदायी होगा ;

(ड.) केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण को या प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित उसके प्रतिनिधि को अभिदाता रजिस्ट्रीकरण प्ररूप और उसके समर्थनकारी दस्तावेज प्रदान करने के लिए उपस्थिति अस्तित्व उत्तरदायित्व होगा ;

(च) उपस्थिति अस्तित्व राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली अभिदायों का न्यासी बैंक द्वारा बनाए रखे गए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास को अंतरण करेगा और उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास के बीच के करार में यथा उपबंधित उपस्थिति अस्तित्व संबंधी सेवा मानकों द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण के पास की अभिदाता अभिदाय फाइलों को अपलोड करेगा;

IndiaCode

(2) अभिदाता के अनुरोधों पर कार्रवाई करना, जो कि निम्नानुसार हैं :—

(क) उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं के स्कीम तथा पेंशन निधि बदलने संबंधी अनुरोधों को प्राप्त करने और उन पर कार्रवाई करने के लिए उत्तरदायी होगा;

(ख) उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं से प्राप्त सभी अनुरोधों को उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास के बीच के करार में यथाउपबंधित सेवा मानकों द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण में अपलोड करेगा ;

(ग) अभिदाताओं द्वारा निधियों से रकम निकालने संबंधी अनुरोधों के संबंध में उपस्थिति अस्तित्व सेवा मानकों द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर और पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (निकासी और प्रत्याहरण) विनियम, 2015 अथवा प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार विनिधान की गई निधियों से धन निकालने के लिए अभिदाताओं से अनुरोध प्राप्त करने और उन पर कार्रवाई करने के लिए उत्तरदायी होगा । उपस्थिति अस्तित्व उस सेवा के लिए प्राधिकरण द्वारा जो अनुज्ञात है उससे भिन्न कोई अतिरिक्त प्रभार प्रभारित नहीं करेगा ;

(घ) उपस्थिति अस्तित्व एक उपस्थिति अस्तित्व से बदलकर दूसरे उपस्थिति अस्तित्व या किसी अन्य उपस्थिति अस्तित्व सेवा प्रदाता शाखा में जाने संबंधी अभिदाता के अनुरोध पर कार्रवाई करने के लिए उत्तरदायी होगा ;

--अनुरोध को अभिलेखगत करना ;

--केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण प्रणाली में अभिलेखों को अद्यतन बनाना;

(ड.) उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं से नई आई-पिन या टी-पिन या स्थायी निवृत्ति खाता संख्यांक कार्ड और अन्य अभिदाता संबंधी ब्यौरे लेने संबंधी अनुरोधों को प्राप्त करने और उन पर कार्रवाई करने के लिए उत्तरदायी होगा ;

(च) उपस्थिति अस्तित्व किसी अन्य राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली खाते से संबंधित सेवा के लिए, जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, उत्तरदायी होगा ;

(छ) उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं से आनलाइन ढंग से, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से संबंधित सेवाओं के, जहां कहीं भी वे उपस्थिति अस्तित्व द्वारा उपलब्ध कराई जाएं, सभी अनुरोधों के लिए उत्तरदायी होगा ;

(ज) उपस्थिति अस्तित्व का अभिदाताओं से शिकायतें प्राप्त करने के लिए तथा उन्हें केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण प्रणाली में अपलोड करने तथा उनका निपटारा किए जाने तक उन्हें बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होगा ।

(3) उपस्थिति अस्तित्व प्राधिकरण द्वारा रजिस्ट्रीकरण को रद्द या निलंबित कर दिए जाने की दशा में या जहां वह उपस्थिति अस्तित्व नहीं रहता है उस दशा में निम्नलिखित के लिए उत्तरदायी होगा,--

(क) उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं के सभी आंकड़े (डाटा) या अभिलेख या दस्तावेज या धनराशि (असमाशोधित निधियां और वे समाशोधित निधियां जो न्यासी बैंक को अंतरित नहीं की गई हैं) किसी दूसरे उपस्थिति अस्तित्व को, जिसे प्राधिकरण द्वारा पर्यवसान के समय, सेवा प्रदान करने के लिए प्राधिकृत अथवा नियुक्त किया जाए, अंतरित करेगा, ऐसे सभी दस्तावेज और अभिलेख नए उपस्थिति अस्तित्व को या उसके उत्तरवर्ती को, जो प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाए, नि:शुल्क अंतरित किए जाएंगे ;

(ख) ऐसे उपस्थिति अस्तित्व, जिसे ऐसे दस्तावेज और अभिलेख अंतरित करने का निदेश दिया गया है, उत्तरवर्ती उपस्थिति अस्तित्व को सभी आवश्यक सहयोग और समर्थन देगा ;

(ग) ऐसे दस्तावेज और अभिलेख अंतरित किए जाने पर, अंतरक उपस्थिति अस्तित्व को अंतरिती उपस्थिति अस्तित्व से इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि क्या सभी आवश्यक दस्तावेज और अभिलेख अंतरित कर दिए गए हैं ;

(घ) उपस्थिति अस्तित्व, उपस्थिति अस्तित्व कारपोरेट और उपस्थिति अस्तित्व–उप इकाई उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास के बीच के करार में यथा उपबंधित सेवा मानकों में अधिकथित सेवा मानकों का पालन करेगा ;

(ड.) उपस्थिति अस्तित्व और उपस्थिति अस्तित्व-उप इकाई अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1) के खंड (ख) में यथानिर्दिष्ट किसी अन्य पेंशन स्कीम के अभिदाताओं के अनुरोधों पर कार्रवाई करेगी ।

15. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली अभिदाताओं पर प्रभारित किए जाने वाले प्रभार—(1) वे प्रभार, जो उपस्थिति अस्तित्व द्वारा अभिदाता पर उद्गृहीत किए जाएं, प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर यथा अधिकथित सीमा और संग्रहण की रीति के अध्यधीन होंगे । कोई भी उपस्थिति अस्तित्व, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रीति से, अभिदाता से कोई प्रभार या अन्य उद्ग्रहण ऐसे किसी ढंग से या रीति से संगृहीत नहीं करेगा, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर ऐसा विनिर्दिष्ट न किया जाए । अभिदाता द्वारा उपस्थिति अस्तित्व को संदेय प्रभारों में निम्नलिखित शीर्ष समाविष्ट होंगे :—

(i) अभिदाता रजिस्ट्रीकरण और अभिदाय अपलोड करने के आरंभिक प्रभार उन सीमाओं के अध्यधीन, जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं ;

(ii) पश्चातवर्ती संव्यवहार-प्रभार, उन सीमाओं के अध्यधीन, जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं ;

(2) प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट प्रभारों से भिन्न कोई अन्य प्रभार अभिदाताओं से संगृहीत नहीं किया जाएगा ।

16. लेखाबहियों को बनाए रखना और लेखाओं की संपरीक्षा—(1) उपस्थिति अस्तित्व द्वारा निम्नलिखित लेखा बहियां बनाए रखी जाएंगी,-

(क) रजिस्ट्रीकरण के लिए केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण से प्राप्त और उसको प्रस्तुत आवेदनों का और ऐसे सभी आवेदकों के लिए जनित्र स्थायी सेवा निवृत्ति खाता संख्यांक डाटा के ब्यौरे ;

(ख) अभिदाताओं से–नकद रूप से या चैक द्वारा या प्रेषण के किसी प्राधिकृत प्ररूप में– प्राप्त धनराशि के ब्यौरे ;

(ग) दिन प्रतिदिन आधार पर धारित नकदी के ब्यौरे ;

(घ) न्यासी बैंक को प्रेषित धनराशि के अभिदातावार ब्यौरे ;

(ड.) केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण को भेजे गए अनुदेशों का अभिदातावार ब्यौरा ।

(2) उपस्थिति अस्तित्व अपने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली संबंधी क्रियाकलापों के लिए प्रभागीय लेखांकन पद्धति (सुसंगत लेखांकन मानकों के अधीन) का अनुसरण करेगा और उसकी संपरीक्षा की जाएगी । ऐसी संपरीक्षा का प्ररूप और प्रविषय प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी की गई अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, परिपत्रों आदि के अनुरूप होगी । संपरीक्षा प्रमाणपत्र उपस्थिति अस्तित्व की लेखा बहियों को अंतिम रूप दिए जाने पर यथा संभव शीघ्रता से किन्तु ऐसे लेखाओं को अंतिम रूप दिए जाने की तारीख से नब्बे दिन के पश्चात्, प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाएगा ।

IndiaCode

17. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली खातों का अन्य कारबारों से पृथक्करण—प्रत्येक उपस्थिति अस्तित्व यह सुनिश्चित करेगा कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से संबंधित विषयों पर, जिनके अंतर्गत राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली कारोंबार के संबंध में लेखाओं, निधियों को बनाए रखा जाना भी है, उसके अन्य कारबारों से पृथक् रूप में या सुभिन्न रूप में बनाए रखे जाएं ।

18. पद्धतियां और प्रक्रियाएं—(1) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के प्रत्येक उपस्थिति अस्तित्व को वे सभी तकनीकी सामर्थ्य, अवसंरचना और आवश्यक पद्धतियां और प्रक्रियाएं प्राप्त होंगी, जो उसे अन्य मध्यवर्तियों को साथ समन्वय करने में समर्थ बनाने के लिए अपेक्षित हों ।

(2) प्रत्येक उपस्थिति अस्तित्व अपने उन कर्मचारियों या व्यक्तियों द्वारा, जिनकी सेवाएं उसने उपगत की हैं, कार्य करने या कार्य करने में लोप करने के लिए उत्तरदायी होगा ।

19. अभिदाता की शिकायतों का निवारण—(1) अभिदाता की शिकायतों के निवारण का उपस्थिति अस्तित्व का उत्तरदायित्व ऐसा होगा जो पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (अभिदाता **की** शिकायत **का** निवारण) विनियम, 2015 में यथा उपबंधित है । उपस्थिति अस्तित्व यह सुनिश्चित करेगा कि अभिदाताओं से शिकायतें प्राप्त करने और उनके निवारण का प्रभावी तंत्र विद्यमान हो और शिकायतों की तत्पर और निष्पक्ष रीति से समीक्षा की जाए और उनको दूर किया जाए ।

(2) उपस्थिति अस्तित्व, अभिदाता के साथ संबंधों की शुरूआत के समय और ऐसे अन्य समय पर, जब अभिदाता द्वारा निम्नलिखित के संबंध में सूचना की अपेक्षा करने की संभावना हो, --

(i) अभिदाता का किसी शिकायत का निवारण कराने की ईप्सा करने के अधिकार, जिसके अंतर्गत पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (अभिदाता शिकायत निवारण) विनियम, 2015 के माध्यम से निवारण का अधिकार भी है, के बारे में ;

(ii) उपस्थिति अस्तित्व द्वारा अपने अभिदाताओं से शिकायतें प्राप्त करने और उनका निवारण करने में अनुसरण की जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में,अभिदाताओं को सूचित करेगा ।

(3) उपस्थिति अस्तित्व शिकायत निवारण तंत्र को अपनी वेबसाइट पर प्रमुखता से प्रदर्शित करेगा ।

20. अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति—(1) प्रत्येक उपस्थिति अस्तित्व एक अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति करेगा, जो अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों, प्राधिकरण द्वारा अभिदाता की शिकायतों के निवारण के लिए जारी की गई अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, अनुदेशों का उसके द्वारा पालन किए जाने को मानीटर करने के लिए उत्तरदायी होगा ।

(2) अनुपालन अधिकारी, ऐसे किसी अननुपालन की, जो उसके देखने में आई है, प्राधिकरण को तत्काल और निष्पक्ष रूप से रिपोर्ट करेगा ।

21. आचार-संहिता—प्रत्येक उपस्थिति अस्तित्व अनुसूची – 2 में यथा विनिर्दिष्ट आचार- संहिता का सभी समयों पर अनुपालन करेगा ।

अध्याय–4
निरीक्षण और संपरीक्षा

22. निरीक्षण और संपरीक्षा—(1) प्राधिकरण, यदि वह आवश्यक समझे, किसी समय प्रत्यक्ष रूप से या अपने किसी प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से किसी प्रयोजन के लिए, जिसके अंतर्गत इस विनियम के अधीन यथाविनिर्दिष्ट प्रयोजन भी हैं, उपस्थिति अस्तित्व की लेखा बहियों, अभिलेख, जिसके अंतर्गत टेलीफोन और इलैक्ट्रानिक अभिलेख भी हैं और दस्तावेजों का निरीक्षण और संपरीक्षा कर सकेगा ।

(2) उपविनियम (1) में निर्दिष्ट प्रयोजनों के अंतर्गत निम्नलिखित भी हो सकेंगे:—

(क) यह सुनिश्चित करना कि लेखा बहियां, अभिलेख, जिनके अंतर्गत टेलीफोन अभिलेख और इलैक्ट्रानिक अभिलेख भी हैं, और दस्तावेजों को इन विनियमों के अधीन अपेक्षित रीति में बनाए रखा जा रहा है ;

(ख) यह अभिनिश्चित करना कि क्या यथोचित आंतरिक नियंत्रण पद्धतियों, प्रक्रियाओं और रक्षोपायों को स्थापित किया गया है और क्या उपस्थिति अस्तित्व द्वारा उनका अनुसरण किया जा रहा है;

(ग) यह अभिनिश्चित करना कि अधिनियम या प्राधिकरण द्वारा बनाए गए विनियमों या जारी किए गए परिपत्रों, मार्गदर्शक सिद्धांतों या अधिसूचनाओं का पालन किया जा रहा है ;

(घ) अभिदाताओं, नोडल अधिकारियों, मध्यवर्तियों या किसी अन्य व्यक्ति से ऐसे किसी विषय पर, जो प्राधिकरण द्वारा उपस्थिति अस्तित्व को सौंपे गए क्रियाकलापों से संबंधित है, प्राप्त शिकायतों की जांच किया जाना ;

(ड.) ऐसे विषयों में, जो अभिदाताओं के हित में उचित समझे जाएं, स्वतः-संज्ञान से जांच किया जाना ।

(3) प्राधिकरण, उपविनियम (1) में निर्दिष्ट निरीक्षण या संपरीक्षा कराने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकता है या किसी अन्य अर्हक संपरीक्षक को नियुक्त कर सकता है ।

स्पष्टीकरण—इस उपविनियम के प्रयोजनों के लिए, 'अर्हक संपरीक्षक' का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 226 में उसका है ।

23. निरीक्षण और संपरीक्षा के पूर्व सूचना—(1) विनियम 22 के अधीन कोई निरीक्षण या संपरीक्षा करने के पूर्व प्राधिकरण या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि या संपरीक्षक उपस्थिति अस्तित्व को दस कार्य दिवस की सूचना देगा :

परंतु यदि प्राधिकरण का यह समाधान हो जाता है कि अभिदाताओं के हितों की तत्काल रक्षा के लिए निरीक्षण या संपरीक्षा आवश्यक है तो किसी सूचना की अपेक्षा नहीं होगी ।

(2) निरीक्षण या संपरीक्षा के दौरान, उपस्थिति अस्तित्व, जिसके विरुद्ध निरीक्षण या संपरीक्षा की जा रही है, इन विनियमों के अधीन यथा उपबंधित बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्धकर होगा ।

24. निरीक्षण और संपरीक्षा पर बाध्यता—(1) ऐसे उपस्थिति अस्तित्व का, जिसके कार्यों का निरीक्षण या संपरीक्षा की जा रही है, और उसके प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राधिकरण या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को अपनी अभिरक्षा या नियंत्रण की पुस्तकों, लेखाओं और अन्य दस्तावेजों को, ऐसी युक्तियुक्त अवधि के भीतर, जो विनिर्दिष्ट की जाए, प्रस्तुत करे और प्राधिकरण द्वारा उसे सौंपे गए क्रियाकलापों से संबंधित ऐसे विवरण और सूचना, जो अपेक्षित हो, दे ।

(2) उपस्थिति अस्तित्व प्राधिकरण या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को उसके द्वारा या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोग में रखे गए परिसर तक युक्तियुक्त पहुंच की अनुज्ञा देगा और उपस्थिति अस्तित्व या किसी अन्य व्यक्ति के कब्जे में की किन्हीं पुस्तकों, अभिलेखों, दस्तोवजों और कम्प्यूटर डाटा की परीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त सुविधा भी प्रदान करेगा और ऐसे दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियां भी, जो प्राधिकरण या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि की राय में सुसंगत हों, निरीक्षण या संपरीक्षा के प्रयोजन के लिए उपलब्ध कराएगा ।

(3) उपस्थिति अस्तित्व का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राधिकरण या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को या संपरीक्षक को निरीक्षण या संपरीक्षा के संबंध में ऐसी सभी सहायता प्रदान करे जिसकी प्राधिकरण या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि युक्तियुक्त रूप से अपेक्षा करे ।

25. रिपोर्ट का प्रस्तुत किया जाना—(1) निरीक्षण या संपरीक्षा पूरी होने पर, प्राधिकरण को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, जो उस रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् ऐसी कार्रवाई कर सकेगा जिसे वह अभिदाताओं के हित में और उचित समझे ।

(2) प्राधिकरण, यथास्थिति, स्वतः-संज्ञान से या निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् मामले में अन्वेषण या जांच करने का आदेश दे सकेगा ।

26. निरीक्षण या संपरीक्षा फीस का संदाय—प्राधिकरण, प्रत्यक्ष रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से किए गए निरीक्षण या संपरीक्षा के प्रयोजन के लिए उसके द्वारा उपगत ऐसे व्यय उपस्थिति अस्तित्व से वसूल करने का हकदार होगा ।

27. राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास द्वारा निरीक्षण और संपरीक्षा.—राष्टीय पेंशन प्रणाली न्यास प्रचालन सेवा स्तरीय करारों के संबंध में प्रत्यक्ष रूप से या अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थिति अस्तित्व के निरीक्षण या संपरीक्षा का या दोनों का कार्य प्रतिवर्ष आधार पर या ऐसी अवधि पर, जो प्राधिकरण द्वारा विहित की जाए, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास) विनियम, 2015 के उपबंधों के अनुसार अपने हाथ में लेगा । उपस्थिति अस्तित्व राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि को उस परिसर तक, जो उसके अधिभोग में है, लेखा बहियों, अभिलेखों तक युक्तियुक्त पहुंच की अनुज्ञा देगा और यथास्थिति, ऐसे निरीक्षण अथवा संपरीक्षा के प्रयोजन के लिए ऐसी आवश्यक जानकारी, जिसकी उसके द्वारा अपेक्षा की जाए, उपलब्ध कराएगा ।

अध्याय–5

प्रमाणपत्र का निलंबन या रद्दकरण और व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई

28. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का रद्दकरण या निलंबन—(1) जहां कोई ऐसा उपस्थिति अस्तित्व, जिसे इन विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है—

(क) किन्हीं ऐसी शर्तों का, जिसके आधार पर उसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, पालन करने में असफल रहता है ;

(ख) इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों के किन्हीं उपबंधों का या जारी किए गए किन्हीं मार्गदर्शक सिद्धांतों, अधिसूचनाओं, निदेशों, अनुदेशों या परिपत्रों का उल्लंघन करता है ;

(ग) अनुचित व्यापारिक व्यवसाय में आलिप्त रहता है या अपना कारबार ऐसी रीति में करता है जो अभिदाताओं के हित पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हो ;

(घ) प्रचालन क्षेत्र के संबंध में प्राधिकरण द्वारा यथा अपेक्षित कोई सूचना देने में असफल रहता है ;

(ङ) अधिनियम या प्राधिकरण द्वारा यथा अपेक्षित कालिक विवरणियां प्रस्तुत नहीं करता है ;

(च) प्राधिकरण द्वारा की जाने वाली किसी जांच में सहयोग नहीं देता है ;

(छ) रजिस्ट्रीकरण के समय प्रस्तुत व्यवसाय संबंधी योजना के संबंध में या सभी रजिस्ट्रीकृत उपस्थिति अस्तित्वों को लागू किसी अन्य समान मानदंडों के विरुद्ध उपस्थिति अस्तित्व द्वारा किए गए अनेक नए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली अभिदाता रजिस्ट्रीकरणों के निबंधनानुसार अपने कार्य का कालिक पुनर्विलोकन करने में असफल रहता है ;

(ज) अधिनियम की धारा 28 के अधीन यथावर्णित कार्यों में कोई चूक करता है,

वहां प्राधिकरण, अधिनियम, विनियमों, उसके अधीन जारी निदेशों, अनुदेशों या परिपत्रों के अधीन किसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आदेश द्वारा ऐसे उपस्थिति अस्तित्व के रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण या

निलंबन करने सहित इन विनियमों के अधीन उपबंधित रीति में ऐसी कार्रवाई या कोई अन्य कार्रवाई, जो समुचित समझी जाए, कर सकेगा ।

(2) एक बार रजिस्ट्रीकृत होने पर उपस्थिति अस्तित्व को यह सुनिश्चित करना होगा कि इन विनियमों में यथा वर्णित पात्रता की शर्तों का रजिस्ट्रीकरण अवधि और उसके विस्तार की अवधि की संपूर्ण प्रवर्तनावधि के दौरान सर्वथा पालन किया जाए, जिसमें असफल रहने पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जा सकेगा । रजिस्ट्रीकृत उपस्थिति अस्तित्व द्वारा प्राधिकरण को पात्रता की शर्तों के अनुपालन को प्रमाणित करने वाला प्रमाणपत्र वार्षिक आधार पर वित्तीय वर्ष के लिए लेखाओं के बंद होने के तीस दिन के भीतर दिया जाएगा ।

29. किसी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण—(1) कोई ऐसा उपस्थिति अस्तित्व, जिसे इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया है, जो अपने कार्यकलाप छोड़ना चाहता है और प्रमाणपत्र अभ्यर्पित करना चाहता है, प्राधिकरण से ऐसे अभ्यर्पण का अनुरोध कर सकेगा ।

(2) इन विनियमों के अधीन ऐसे अनुरोध का निस्तारण करते समय प्राधिकरण, संबंधित उपस्थिति अस्तित्व से प्राधिकरण का ऐसे कारकों पर, जो वह ठीक समझे, समाधान करने की अपेक्षा कर सकेगा, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कारक भी सम्मिलित हैं, किन्तु ये निम्नलिखित तक सीमित नहीं हैं--

(क) मध्यवर्ती द्वारा उसके स्वयं के खर्चे और व्यय पर सुसंगत अधिनियम, विनियमों और अन्य दस्तावेजों के अनुरक्षण और परिरक्षण के लिए की गई व्यवस्था ;
(ख) अभिदाता की शिकायतों का निवारण ;
(ग) अभिदाताओं के अभिलेखों, निधियों या प्रतिभूतियों की उनके स्वयं के खर्चे और व्यय पर अंतरण ;
(घ) अभिदाताओं की सतत् सेवा सुनिश्चित करने के लिए उसके द्वारा की गई व्यवस्था ;
(ङ) व्यतिक्रम या लंबित कार्रवाइयां, यदि कोई हों ।

(3) अभ्यर्पण संबंधी अनुरोध स्वीकार करते समय प्राधिकरण उपस्थिति अस्तित्व पर ऐसी शर्तें अधिरोपित कर सकेगा जो वह राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अभिदाताओं के हित के संरक्षण के लिए उचित समझे और संबंधित उपस्थिति अस्तित्व ऐसी शर्तों का पालन करेगा ।

(4) किसी ऐसे उपस्थिति अस्तित्व को उसके ऐसे प्रमाणपत्र के अभ्यर्पण की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जिसके संबंध में प्राधिकरण द्वारा व्यतिक्रम के लिए कोई कार्रवाई आरंभ की गई है या अनुध्यात की गई है ।

30. प्रमाणपत्र के निलंबन, रद्दकरण या अभ्यर्पण का प्रभाव—(1) प्रमाणपत्र के निलंबन, रद्दकरण या अभ्यर्पण की तारीख से ही संबंधित उपस्थिति अस्तित्व—

(क) अभिदाताओं से कोई अतिरिक्त सुपुर्दगी नहीं लेगा या कोई नई रकम या सूचना संगृहीत नहीं करेगा । ऐसे निलंबन की अवधि के दौरान वह ऐसी कोई कार्रवाई नहीं करेगा जिसके संबंध में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया था ;
(ख) अपने अभिदाताओं को, यथास्थिति, उनकी रकम या सुपुर्दगियों के अंतरण करने की अनुज्ञा देगा अथवा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास को, किसी अतिरिक्त खर्चे के बगैर, उसे दी गई किसी सुपुर्दगी को वापस करने की अनुज्ञा देगा ;
(ग) उसके द्वारा उपगत या कल्पित दायित्वों के संबंध में उपबंध करेगा ;
(घ) ऐसी समय सीमा के भीतर और ऐसी रीति में, जो सुसंगत विनियमों के अधीन अपेक्षित हो या जो प्राधिकरण द्वारा, इन मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन या उससे अन्यथा, आदेश पारित करते समय, ऐसी अन्य कार्रवाई करेगा, जिसके अंतर्गत ऐसे अभिदाताओं के किन्हीं अभिलेखों या दस्तावेजों तथा ऐसी सूचना या रकम के संबंध में कार्रवाई भी है जो ऐसे उपस्थिति अस्तित्व की अभिरक्षा या नियंत्रण में है ;

(2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अभ्यर्पण या रद्दकरण या निलंबन की तारीख से ही संबंधित उपस्थिति अस्तित्व—

(क) प्राधिकरण को, इस प्रकार रद्द किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र वापस कर देगा और ऐसे क्रियाकलाप को कार्यान्वित करने के लिए, जिसके लिए ऐसा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया था, स्वयं को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक का प्रतिनिधित्व नहीं करेगा ;

(ख) कोई ऐसा क्रियाकलाप नहीं करेगा जिसके संबंध में प्रमाणपत्र प्रदान किया गया था ;

(ग) अपने क्रियाकलाप, ऐसे क्रियाकलाप करने के लिए विधिमान्य रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्राधिकरण द्वारा यथानिदेशित किसी अन्य उपस्थिति अस्तित्व को अंतरित कर देगा और अपने अभिदाताओं को, उनकी निधियां, बिना किसी अतिरिक्त लागत के अंतरिती इकाई को अंतरण करने की अनुज्ञा देगा ;

(घ) उसके द्वारा उपगत या कल्पित दायित्वों की बाबत उपबंध करेगा ;

(ङ) ऐसी समय सीमा के भीतर और ऐसी रीति में, जो सुसंगत विनियमों के अधीन अपेक्षित हो या जो प्राधिकरण द्वारा, इन मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन या उससे अन्यथा, आदेश पारित करते समय, ऐसी अन्य कार्रवाई करेगा, जिसके अंतर्गत ऐसे अभिदाताओं के किन्हीं अभिलेखों या दस्तावेजों तथा ऐसी सूचना या रकम के संबंध में कार्रवाई भी है जो ऐसे उपस्थिति अस्तित्व की अभिरक्षा या नियंत्रण में है ;

31. अभिहित प्राधिकारी की नियुक्ति—(1) जहां अभिहित प्राधिकरण को यह प्रतीत होता है कि उपस्थिति अस्तित्व ने, जिसे इन विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है या किसी अन्य संबंधित व्यक्ति ने विनियम 28 में विनिर्दिष्ट प्रकृति की कोई चूक की है वहां वह मुख्य महाप्रबंधक की श्रेणी के किसी अधिकारी को या किसी समतुल्य श्रेणी के किसी अन्य अधिकारी को अभिहित प्राधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगा ।

(2) किसी ऐसे अधिकारी की, जिसने अभिकथित अतिक्रमण की बाबत अन्वेषण या निरीक्षण किया है, अभिहित प्राधिकारी के रूप में नियुक्ति नहीं की जाएगी ।

32 . सूचना का जारी किया जाना—(1) अभिहित प्राधिकारी, यदि उसे ऐसे युक्तियुक्त आधारों का पता चलता है तो वह, उपस्थिति अस्तित्व या किसी संबंधित व्यक्ति को, उससे यह दर्शित करने की अपेक्षा करते हुए कि क्यों न उसे प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को निलंबित या रद्द कर दिया जाए या क्यों न उसमें उपबंधित कोई अन्य कार्रवाई की जाए, एक सूचना जारी करेगा ।

(2) उपविनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना में, सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति द्वारा किए गए अभिकथित अतिक्रमण को, अधिनियम, विनियमों, निदेशों या परिपत्रों के उन उपबंधों को उपदर्शित करते हुए, जिनकी बाबत अतिक्रमण करने का अभिकथन किया गया है, विनिर्दिष्ट किया जाएगा ।

(3) उपविनियम (1) के अधीन जारी सूचना के साथ ऐसे दस्तावेजों की प्रतियां, जिनका अभ्यारोपण करने में अवलंब लिया गया है और दस्तावेजों के सुसंगत भाग के उद्धरण, ऐसी रिपोर्टें, जिनमें किए गए अन्वेषण या निरीक्षण, यदि कोई हो, में दिए गए निष्कर्ष अंतर्विष्ट हों, उपाबद्ध की जाएंगी ।

(4) सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति से, सूचना में विनिर्दिष्ट ऐसी अवधि के भीतर, जो उसकी तामील होने की तारीख से इक्कीस दिन से अधिक नहीं होगी, अभिहित प्राधिकारी को एक लिखित अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाएगी ।

33. सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति द्वारा उत्तर—(1) सूचना प्राप्त करने वाला व्यक्ति, अभिहित प्राधिकारी को सूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर अपना लिखित अभ्यावेदन, उसके समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य, यदि कोई हो, के साथ प्रस्तुत करेगा :

परंतु अभिहित प्राधिकारी सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति द्वारा दर्शित पर्याप्त आधारों के आधार पर और ऐसे विस्तार के कारणों को लेखबद्ध करने के पश्चात् सूचना में विनिर्दिष्ट समय को बढ़ा सकेगा।

(2) यदि सूचना प्राप्त करने वाला व्यक्ति, उस प्रयोजन के लिए प्रदत्त समय के भीतर हेतु दर्शित करने वाली सूचना का उत्तर नहीं देता है तो अभिहित प्राधिकारी मामले में, ऐसा करने के कारणों को अभिलिखित करते हुए एकपक्षीय कार्रवाई के लिए अग्रसर हो सकेगा और उसके समक्ष उपलब्ध सारवान तथ्यों के आधार पर ऐसा करने की सिफारिश कर सकेगा ।

34. व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई—अभिहित प्राधिकारी, सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति के अभ्यावेदनों, यदि कोई हो, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों, अधिनियम, विनियमों, प्राधिकरण द्वारा दिए गए निदेशों या परिपत्रों पर विचार करने के पश्चात् एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जहां तथ्यों से यह प्रमाणित होता है वहां निम्नलिखित की सिफारिश करेगा —

(क) विनिर्दिष्ट अवधि के लिए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का निलंबन ;

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के रद्दकरण ;

(ग) आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति को कोई नया कार्य या संविदा प्राप्त करने या नवीन स्कीम प्रारंभ करने से विवर्जित करना ;

(घ) सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति के प्रधान अधिकारी को आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि के लिए किसी रजिस्ट्रीकृत मध्यवर्ती या अन्य रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति के साथ नियोजित या सहयोजित होने से विवर्जित करना ;

(ङ) सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति की किसी शाखा या किसी कार्यालय को विनिर्दिष्ट अवधि के लिए कोई क्रियाकलाप करने से विवर्जित करना ;

(च) सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति को चेतावनी देना ।

35. सिफारिश पर कार्रवाई करने की प्रक्रिया—(1) अभिहित प्राधिकारी से कार्रवाई करने की सिफारिश करने वाली रिपोर्ट प्राप्त होने पर अभिहित सदस्य उस पर विचार करेगा और सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक कारण दर्शित करने वाली सूचना, जिसके साथ अभिहित प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट की एक प्रति संलग्न होगी, जिसमें सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति से इस बारे में कि उसके विरुद्ध कोई कार्रवाई, जिसके अंतर्गत समुचित निदेश पारित करना भी है, क्यों नहीं की जानी चाहिए, लिखित अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की अपेक्षा की गई हो, जारी करेगा ।

(2) सूचना प्राप्त करने वाला व्यक्ति, सूचना प्राप्ति के इक्कीस दिन के भीतर अभिहित सदस्य को एक उत्तर भेजेगा जो उस उत्तर पर, यदि सूचना प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्राप्त होता है, विचार करने और उस व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, यथासंभव शीघ्रता से समुचित आदेश पारित कर सकेगा और उत्तर प्राप्त होने या सुनवाई करने के एक सौ बीस दिन के भीतर आदेश पारित करने का प्रयास करेगा ।

36. अभिहित सदस्य, जहां प्रश्नगत विषय वस्तु सारवान रूप से समान या समरूप प्रकृति की है, वहां सूचना प्राप्त करने वाले अनेक व्यक्तियों के संबंध में एक समान आदेश पारित कर सकेगा ।

37. आदेश की संसूचना—(1) इन विनियमों के अधीन किसी अभिहित प्राधिकारी द्वारा दी गई प्रत्येक रिपोर्ट और अभिहित सदस्य द्वारा पारित प्रत्येक आदेश तारीख सहित हस्ताक्षरित होगा ।

(2) इन विनियमों के अधीन पारित प्रत्येक आदेश की प्रति उपस्थिति अस्तित्व या संबंधित व्यक्ति को भेजी जाएगी और उसे प्राधिकरण की वेबसाइट पर भी डाला जाएगा ।

IndiaCode

38. शास्ति और न्यायनिर्णयन—उपस्थिति अस्तित्व या किसी संबंधित व्यक्ति पर शास्ति का अधिरोपण, यदि कोई हो, अधिनियम और पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (न्यायनिर्णयन अधिकारी द्वारा जांच की प्रक्रिया) विनियम, 2015 के अनुसार किया जाएगा ।

39. प्रतिभूति अपील अधिकरण को अपील—उपस्थिति अस्तित्व या कोई अन्य संबंधित व्यक्ति, यदि अभिहित सदस्य द्वारा पारित किसी आदेश से व्यथित है तो अधिनियम की धारा 36 की उप-धारा (1) के अधीन प्रतिभूति अपील अधिकरण के समक्ष अपील कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण—इस अध्याय के प्रयोजनों के लिए,—

(क) "अभिहित प्राधिकारी " से विनियम 31 के उपविनियम (1) के अधीन नियुक्त प्राधिकरण का कोई अधिकारी अभिप्रेत है ;

(ख) "अभिहित सदस्य " से प्राधिकरण का तत्प्रयोजनार्थ अभिहित अध्यक्ष या कोई पूर्णकालिक सदस्य अभिप्रेत है ;

(ग) "सूचना प्राप्त करने वाला व्यक्ति" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे इस अध्याय के अधीन सूचना जारी की गई है ।

अध्याय 6
प्रकीर्ण बाध्यताएं

40. अभिदाताओं को संदेय क्षतिपूर्ति—उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई, उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास के बीच हुए करार में के विहित सेवा स्तरीय मानकों का, जिनके अंतर्गत उसके अधीन समय सीमा के अनुसार अभिदाय को अपलोड करना भी है, पालन करने में असफल रहने की दशा में, ऐसे अभिदाता की जो ऐसी कार्रवाई से व्यथित है, ऐसे विलंब की अवधि या अतिक्रमण के लिए बैंक दर जमा दो प्रतिशत की क्षतिपूर्ति करेगा ।

41. रिपोर्ट और प्रकटन—उपस्थिति अस्तित्व प्राधिकरण को, इस विनियम और प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों और परिपत्रों में यथा अधिकथित विहित प्ररूपों में और निर्धारित अंतरालों पर राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली पर संपादित कार्य और संबंधित विषयों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

42. गोपनीयता—उपस्थिति अस्तित्व, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन उसे प्राप्त सभी अभिलेखों, डाटा और सूचना की बाबत पूर्ण गोपनीयता बनाए रखेगा । उपस्थिति अस्तित्व, प्राधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना ऐसा डाटा या सूचना, ऐसे प्रयोजन के सिवाय, जो सम्यक् विधि प्रक्रिया द्वारा अपेक्षित हो, किसी अन्य प्रयोजन के लिए साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत या साझा नहीं करेगा । उपस्थिति अस्तित्व अभिदाताओं की व्यक्तिगत सूचना और डाटा के संबंध में गोपनीयता बनाए रखेगा और डाटा का संरक्षण अनुसूची 3 में अधिकथित अनुबंधों के अनुसार करेगा ।

43. कृत्यों का समनुदेशन—(1) उपस्थिति अस्तित्व, इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट अपने कृत्यों या बाध्यताओं को, प्राधिकरण की पूर्व अनुमति के बगैर किसी व्यक्ति को अंतरित या समनुदेशित नहीं करेगा ।

(2) कृत्यों के समनुदेशन के लिए इच्छुक उपस्थिति अस्तित्व, विनिर्दिष्ट आवेदन पत्र में, संपूर्ण ब्यौरे देते हुए, जिसके अंतर्गत उस इकाई की, जिसको उपस्थिति अस्तित्व कृत्यों का समनुदेशन करना चाहता है, कार्य-योजना भी सम्मिलित है, प्राधिकरण को आवेदन करेगा और ऐसे प्ररूप पर उपस्थिति अस्तित्व और कृत्यों के प्रस्तावित समनुदेशिती, दोनों, के हस्ताक्षर होंगे । इस विनियम के प्रयोजन के लिए ऐसे किसी समनुदेशिती को उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई कहा जाएगा । प्राधिकरण, कृत्यों के समनुदेशन हेतु अनुज्ञा लेने वाले उपस्थिति अस्तित्व द्वारा किए गए ऐसे आवेदन के अनुमोदन के समय उसे देने से इंकार कर सकेगा या उसे नामंजूर कर सकेगा या ऐसी

अतिरिक्त शर्तें अधिरोपित कर सकेगा जो प्राधिकरण द्वारा ठीक समझी जाएं । प्राधिकरण, ऐसे आवेदन को स्वीकार करते समय, बैंककारी संक्रियाओं के संबंध में ऐसे निबंधन और शर्तें अनुदेश अधिरोपित या अनुबंधित कर सकेगा जिनमें अभिदाता का अभिदाय अंतवर्लित है।

(3) संबंधित उपस्थिति अस्तित्व के मार्फत प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकरण की ईप्सा हेतु उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित होंगे :

(i) ऐसी इकाई कोई व्यष्टि नहीं होगी और किसी विनियामक के साथ, जिसके अंतर्गत भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड, भारतीय रिजर्व बैंक, बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण और राष्ट्रीय आवास बैंक या कंपनी अधिनियम, 1856 या कंपनी अधिनियम, 2013 के अधीन रजिस्ट्रीकृत कोई कंपनी अथवा सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन कोई रजिस्ट्रीकृत सोसाइटी अथवा, के अधीन भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 के अधीन सृजित कोई न्यास भी है, रजिस्ट्रीकृत होगी और वह वाणिज्यिक लाभ के लिए वित्तीय सेवा उत्पादों के विक्रय, वितरण या सलाहकार सेवाओं का कारबार करती है या नागरिकों में लाभकारी सेवाओं के प्रसार के सामाजिक उद्देश्य से कार्य कर रही है ;

(ii) खंड (i) में यथाविनिर्दिष्ट मानदंड को पूरा करने वाले वाली ऐसी इकाई में ऐसा विशेष प्रयोजन यान भी सम्मिलित होगा जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली उत्पाद का केवल आनलाइन विक्रय और वितरण कर सकेगा ;

(iii) ऐसी इकाई, प्राधिकरण को विहित आवेदन प्ररूप में, किसी रजिस्ट्रीकृत उपस्थिति अस्तित्व द्वारा अपने आशय की सिफारिश और उसे प्रमाणित करते हुए पांच हजार रुपए मात्र की एकमुश्त रजिस्ट्रीकरण फीस के साथ आवेदन करेगी और यदि प्राधिकरण की राय में आवेदन ठीक है और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अभिदाताओं के हितों को पूरा करता है तो वह ऐसी इकाई को उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के रूप में रजिस्ट्रीकृत कर सकेगा और उसे इन विनियमों तथा प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किन्हीं अन्य अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, परिपत्रों आदि के अनुसार राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली कारबार संबंधी कारबार संव्यवहार करने की अनुज्ञा दे सकेगा ।

(4) अपने कृत्यों के निर्वहन में उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई द्वारा कार्य करने में लोप या उसे करने के लिए उपस्थिति अस्तित्व का दायित्व, उपस्थिति अस्तित्व द्वारा उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई को कृत्यों के ऐसे उद्भूत किसी दायित्व की दशा में संयुक्त और पृथक्-पृथक् होगा ।

(5) उपस्थिति अस्तित्व के अधीन उपबंधित उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई को संदेय प्रभार उपस्थिति अस्तित्व और उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के बीच हुए संविदात्मक करार के अनुसार और इस शर्त के अधीन रहते हुए होंगे कि अभिदाताओं से, किसी विशिष्ट सेवा के संबंध में उपस्थिति अस्तित्व के लिए प्राधिकरण द्वारा अनुज्ञात और समय-समय पर जारी की गई अधिसूचनाओं, मार्गदर्शक सिद्धांतों, परिपत्रों आदि के माध्यम से अनुज्ञात दरों से अधिक दर पर प्रभारित नहीं किया जाएगा। उपस्थिति अस्तित्व और उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के बीच हुए ऊपर निर्दिष्ट ऐसे सभी करार, उपस्थिति अस्तित्व द्वारा ऐसा कोई करार किए जाने के पन्द्रह दिन के भीतर, उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त अनुमोदन के साथ राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास को फाइल किया जाएगा ।

(6) प्राधिकरण, ऐसे उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई को दिए गए अनुमोदन को, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में किए गए नये रजिस्ट्रीकरणों की संख्या, अभिदाताओं को दी गई सेवाओं के निबंधनानुसार कार्य निष्पादन के

पुनर्विलोकन के आधार पर या यदि प्राधिकरण की राय में यह अभिदाताओं के हित में नहीं है और पेंशन सेक्टर और/या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के क्रमबद्ध विकास के उद्देश्य के हित में नहीं है तो रद्द कर सकेगा ।

(7) उपस्थिति अस्तित्व की ऐसी प्राधिकृत उप इकाई एक से अधिक उपस्थिति अस्तित्व से संबद्ध नहीं होगी ।

(8) ऐसी इकाइयां, जिन्हें उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के रूप में कार्य करने के लिए अनुज्ञात किया गया है, अपनी संक्रियाओं को गतिशील बनाने के लिए प्राधिकरण के पश्च अनुमोदन से केंद्रीय अभिलेखापाल अभिकरण के साथ रजिस्ट्रीकृत करवाएंगी ।

(9) उपस्थिति अस्तित्व की अनुमोदित उप इकाई—

(क) उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए प्राधिकरण द्वारा यथाविनिर्दिष्ट फीस का संदाय करेगी ;

(ख) उपस्थिति अस्तित्व इस विनियम में विनिर्दिष्ट आचार संहिता का पालन करेगी ;

(ग) उपस्थिति अस्तित्व के साथ राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली संव्यवहार से उद्भूत अपने प्राधिकार, उत्तरदायित्वों और पारस्परिक दायित्वों की परिधि को विनिर्दिष्ट करने के लिए एक करार करेगी ;

(घ) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के संबंध में प्राधिकरण द्वारा जारी नियमों, विनियमों और मार्गदर्शक सिद्धांतों का पालन करेगी ;

(ङ) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के संबंध में प्राधिकरण द्वारा जारी नियमों, विनियमों और मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन विनिर्दिष्ट बहियों और दस्तावेजों को रखेगी और उनका अनुरक्षण करेगी ;

(च) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली संबंधी कारबार के संव्यवहार के दौरान राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के लिए प्राधिकरण द्वारा विहित अपने ग्राहक को जानने संबंधी अपेक्षाओं का पालन करेगी ;

(छ) किसी अभिदाता के संबंध में पहले से आदान प्रदान की गई या आदान प्रदान की जाने वाली सभी सामग्री, दस्तावेज, सूचना या डाटा के संबंध में सभी समयों पर सर्वथा गोपनीयता बनाए रखेगी ।

(10) **साधारण बाध्यताएं :** उपस्थिति अस्तित्व – उप इकाई

(i) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक या भावी आवेदक को अभिदाता रजिस्ट्रीकरण प्ररूप उपलब्ध कराएगी ;

(ii) आवश्यक दस्तावेजीकरण के साथ प्राधिकरण द्वारा विहित रूप विधान में अभिदाता द्वारा सम्यक् रूप से भरा गया और हस्ताक्षरित, अभिदाता रजिस्ट्रीकरण प्ररूप प्राप्त करेगी ;

(iii) यह सुनिश्चित करेगी कि अभिदाता रजिस्ट्रीकरण प्ररूप के साथ विहित 'अपने ग्राहक को जानो' दस्तावेज संलग्न किए गए हैं ;

(iv) यह सुनिश्चित करेगी कि आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया अभिदाता रजिस्ट्रीकरण प्रारूप सभी प्रकार से पूर्ण है ;

(v) यह सुनिश्चित करेगी कि अभिदाय केवल ऐसे "उपस्थिति अस्तित्व के, जिसके साथ उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई रजिस्ट्रीकृत है, नाम में संगृहीत खाता - राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास" के नाम में लिखे गए चैक/मांगदेय ड्राफ्ट द्वारा ही संगृहीत किया जाएगा । उदाहरण स्वरूप, यदि उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई भारतीय स्टेट बैंक के साथ रजिस्ट्रीकृत है तो वह लिखत "भारतीय स्टेट बैंक संग्रहण खाता-राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास" के नाम में होगी । उपस्थिति अस्तित्व की उप इकाई के लिए अभिदाताओं से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली का संग्रहण नकद रूप में करना अनुज्ञात नहीं है ;

(vi) यह सुनिश्चित करेगी कि सेवा मानक उपस्थिति अस्तित्व और राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास के बीच हुए करार के अनुरूप है।

अध्याय 7
प्राधिकरण की स्पष्टीकरण और निदेश जारी करने की शक्ति

44. प्राधिकरण की स्पष्टीकरण जारी करने की शक्ति—इन विनियमों के लागू होने या उनके अर्थान्वयन में किसी कठिनाई को दूर करने के लिए प्राधिकरण को ऐसे टिप्पणों या परिपत्रों के प्ररूप में स्पष्टीकरण और मार्गदर्शक सिद्धांत जारी करने की शक्ति होगी जो उपस्थिति अस्तित्व या उससे संबंधित किसी व्यक्ति पर बाध्यकर होंगे ।

45. प्राधिकरण की निदेश जारी करने की शक्ति—(1) इन विनियमों के अध्याय 5 के अधीन किसी आदेश पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्राधिकरण, अभिदाताओं के हित में या उपस्थिति अस्तित्व के उचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए-

(क) राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन अभिदाताओं से संगृहीत किसी अभिदाय या रकम का ब्याज सहित या उसके बिना प्रतिदाय करने का उपस्थिति अस्तित्व को निदेश देते हुए ;

(ख) कोई अन्य ऐसा निदेश देते हुए, जो मामले की परिस्थितियों में प्राधिकरण ठीक या उचित समझे, आवश्यक निदेश जारी करेगा :

परंतु कोई निदेश जारी करने के पूर्व प्राधिकरण, संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करेगा :

परंतु यह और कि यदि परिस्थितियों में तुरंत कोई अंतरिम निदेश पारित किया जाना अपेक्षित है तो प्राधिकरण, कोई असम्यक् विलंब किए बिना निदेश पारित करने के पश्चात् संबंधित व्यक्ति को सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान कर सकेगा ।

अनुसूची-1
पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (उपस्थिति अस्तित्व) विनियम, 2015

(विनियम 9 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

रजिस्ट्रीकरण सं. .....

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के लिए उपस्थिति अस्तित्व के रूप में कारबार करने और रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र

क. प्राधिकरण, पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 की धारा 27 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्राधिकरण मैसर्स .....को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अधीन उपस्थिति अस्तित्व के रूप में कार्य करने के लिए यह रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करता है ।

ख. उपस्थिति अस्तित्व का रजिस्ट्रीकरण कोड.....है ।

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, जो अनुदत्त किया गया है, तब तक जब तक, कि उसे प्राधिकरण द्वारा निलंबित या रद्द नहीं कर दिया जाता है और पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 (2013 का 23) और पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (उपस्थिति अस्तित्व) विनियम, 2015 के अधीन उपबंधित निबंधनों और शर्तों का पालन करने के अधीन रहते हुए विधिमान्य बना रहेगा और उसका किसी अन्य अधिनियम, नियमों या विनियमों के अनुपालन में या उसके अनुरूप अर्थान्वयन नहीं किया जाएगा ।

तारीख :

स्थान : नई दिल्ली

आदेश द्वारा

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण की ओर से

अनुसूची - II

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (उपस्थिति अस्तित्व) विनियम, 2015

(विनियम 21 देखिए)

आचार संहिता

(1) उपस्थिति अस्तित्व राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अभिदाताओं के सभी मामलों में का प्रबंध करने में उनके हितों में कोई परस्पर विरोध नहीं होने देगा और सभी अभिदाताओं के हितों को सर्वोपरि रखेगा । यदि अभिदाता और उपस्थिति अस्तित्व या उसके प्रतिनिधि के हितों में कोई परस्पर विरोध होता है तो अग्रता अभिदाताओं के हितों को दिया जा सकेगा ।

(2) अभिदाताओं को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली पर ऐसे उचित प्रकटन तंत्र के माध्यम से, जो प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर यथाविहित किया जाए, अद्यतन जानकारी, जिससे कि अभिदाता अभिज्ञात विनिश्चित करने में समर्थ हो सके,—

(क) अभिदाता द्वारा कोई वित्तीय संविदा करने के पर्याप्त समय पूर्व, जिससे कि अभिदाता को उस जानकारी को समझने में पर्याप्त समय मिल सके ;

(ख) किसी तात्विक परिवर्तन के होने पर अपनी वेबसाइट पर सतत् आधार पर और युक्तियुक्त समय के भीतर या युक्तियुक्त आवधिक अंतरालों पर, जैसे लागू हों; और

(ग) लिखित रूप में और ऐसी रीति में, जिससे अभिदाता उसे समझ सकता हो, उपलब्ध कराई जाएगी ।

(3) उपस्थिति अस्तित्व यह सुनिश्चित करेगा कि उसके द्वारा किसी सहयुक्त को कोई असम्यक् या अनुचित लाभ नहीं दिया गया है या उसके कारबार के सहयुक्तों में से किसी से ऐसी रीति में बर्ताव नहीं किया गया है जो अभिदाताओं के हितों के प्रतिकूल हो ।

(4) उपस्थिति अस्तित्व अपने सभी व्यौहारों में और अपने कारबार के संचालन में सत्यनिष्ठा और ऋजुता के उच्च मानक बनाए रखेगा । वे सभी समयों पर सेवा के उच्च मानक पूरे करेगा, ऐसी सम्यक् तत्परता बरतेगा जिसमें कार्यकौशल और देखरेख के ऐसे मानक विवक्षित हैं जो शुद्ध विपणन पद्धति, सदभाव, ग्राहक की रूपरेखा (प्रोफाइल), अभिदाता की उपस्थिति अस्तित्व पर निर्भरता की सीमा के अनुरूप हो और स्वतंत्र वृत्तिक विवेकबुद्धि का प्रयोग करेगा ।

(5) उपस्थिति अस्तित्व, उनकी अर्हताओं या सेवा प्रदान करने की उनकी क्षमता के बारे में या उनकी उपलब्धियों के बारे में मौखिक या लिखित कोई अतिशयोक्तिपूर्ण कथन नहीं करेगा ।

(6) उपस्थिति अस्तित्व, अभिदाताओं के साथ व्यवहार करते समय किसी अनुचित आचरण में अर्थात् ऐसे किसी कार्य या लोप में लिप्त होने से प्रतिषिद्ध है, जो किसी अभिदाता की कोई ज्ञात संव्यवहारिक विनिश्चय को करने के सामर्थ्य को पर्याप्त रूप से कम करता है से जिससे उसके पर्याप्त रूप से कम होने की संभावना है और इसके अंतर्गत अभिदाताओं के साथ ऐसा आचरण भी है, जो भ्रामक या अपमानजनक है ।

अनुसूची-III

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (उपस्थिति अस्तित्व) विनियम, 2015

(विनियम 42 देखिए)

उपस्थिति अस्तित्व द्वारा व्यक्तिगत सूचना का संरक्षण

1. व्यक्तिगत सूचना अर्थात् ऐसी कोई सूचना जो अभिदाता से संबंधित है या जो अभिदाता की पहचान को, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, उपलक्षित करने को अनुज्ञात करती है और इसके अंतर्गत निम्नलिखित है :

-- नाम और संपर्क सूचना;

-- बायोमीट्रिक सूचना, व्यष्टिक की दशा में;

-- वित्तीय उत्पादों में के संव्यवहारों या उनकी अभिधृति से संबंधित सूचना;

-- वित्तीय सेवाओं के प्रयोग से संबंधित सूचना; या

-- ऐसी अन्य सूचना, जो विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।

2. उपस्थिति अस्तित्व -

(क) किसी अभिदाता से संबंधित व्यक्तिगत सूचना, उस सीमा से अधिक, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के उपबंधों के लिए अपेक्षित है, संगृहीत नहीं करेगा;

(ख) अभिदाता से संबंधित व्यक्तिगत सूचना की गोपनीयता को बनाए रखेगा और उसके सिवाय जहां विधि के अधीन अपेक्षित हो उसे किसी अन्य व्यक्ति को प्रकट नहीं करेगा ;

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए पूरा प्रयास करेगा कि उसके पास किसी अभिदाता से संबंधित कोई व्यक्तिगत सूचना सही, अद्यतन और पूरी है;

(घ) यह सुनिश्चित करेगा कि अभिदाता, किन्हीं ऐसे अपवादों के अधीन रहते हुए, जो प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं, अपनी व्यक्तिगत सूचना के बारे में युक्तियुक्त पहुंच बना सकता है;

(ड.) यह सुनिश्चित करने के लिए कि उपस्थिति अस्तित्व द्वारा निजी व्यक्तिगत सूचना सही, अद्यतन और पूरी हो, अभिदाताओं को उनकी व्यक्तिगत सूचना में परिवर्तन करने का प्रभावी अवसर प्रदान करेगा ।

3. उपस्थिति अस्तित्व प्रदाता किसी अभिदाता की व्यक्तिगत सूचना, किसी अन्य व्यक्ति को केवल तभी प्रकट कर सकेगा यदि--

(क) उसने प्रकटन के लिए, अभिदाता को सहमति देने से इंकार करने का प्रभावी अवसर देने के पश्चात्, अभिदाता की अनुप्रमाणित लिखित पूर्व ज्ञात सहमति अभिप्राप्त कर ली हो;

(ख) अभिदाता ने प्रकटन का निदेश दे दिया हो;

(ग) प्राधिकरण ने प्रकटन का अनुमोदन कर दिया हो या आदेश दे दिया हो और जब तक यह सुसंगत विधि या विनियमों द्वारा प्रतिषिद्ध न हो अभिदाता को ऐसी विधि या विनियमों के अधीन ऐसे प्रकटन के विरुद्ध अभ्यावेदन करने का अवसर दिया जाएगा;

(घ) यदि उपस्थिति अस्तित्व, अन्य व्यक्ति से, इस विनियम के अधीन अपेक्षित रीति में व्यक्तिगत सूचना की गोपनीयता को बनाए रखने के लिए कोई ठहराव कर लेता है तो ऐसा प्रकटन वास्तविक या संभावी कपट, अप्राधिकृत संव्यवहार या दावों के विरुद्ध संरक्षण के लिए या उसे निवारित करने के लिए किया जाता है ।

हेमंत जी. कांट्रेक्टर, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/ असा./203/14]

PENSION FUND REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th March, 2015

PENSION FUND REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY

(POINT OF PRESENCE) REGULATIONS, 2015

No. PFRDA/12/RGL/139/3.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clauses (e), (l), (n), (o) and (p) of sub-section (2) of Section 52 of the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013 (23 of 2013), the Pension Fund Regulatory and Development Authority hereby makes the following regulations, namely:—

CHAPTER I
PRELIMINARY

1. **Short title and commencement—**(1) These regulations may be called the Pension Fund Regulatory and Development Authority (Point of Presence) Regulations, 2015.

The regulation aims at encouraging an independent, strong and effective distribution channel for National Pension System and ensuring that market practices of the points of presence are fair, efficient and transparent for the promotion and protection of interest of the subscribers.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions**—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013 (23 of 2013);

(b) "auditor" means a person who is qualified to audit the accounts of a company undersection 224 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(c) "Citizen of India" means any person qualifying to be a citizen of India under the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955);

(d) "Company" means any company formed and registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

(e) "ompliance officer" means a person of responsibility from the point of presence; designated as such and charged with the responsibility of monitoring compliance by the point of presence of the provisions of the Act or the rules or the regulations made or notifications, guidelines, circulars or instructions issued by the Authority thereunder;

(f) "I-Pin" means an identification number used to authenticate the subscriber to login website of the central recordkeeping agency or the National Pension System Contribution Accounting Network through internet.

(g) "T-Pin" means an identification number used to authenticate the subscriber in the Interactive Voice Response system.

(h) "Point of Presence- corporate" means an entity which is registered by the Authority to act as a point of presence in respect of its employees and directors only.

(i) "Point of Presence- sub-entity" means an entity which has been assigned any of the functions or obligations of a point of presence specified under these regulations, by a registered point of presence and which has been accepted by the Authority.

(2) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act, shall have the meanings assigned to them in the Act.

CHAPTER II
REGISTRATION OF POINTS OF PRESENCE

3. **Application for grant of certificate of registration**—(1) Any applicant meeting the eligibility criteria specified in this regulation, may apply for grant of a certificate of registration as a point of presence, in such application form as may be specified by the Authority and supplied by it to the applicant. Applicant shall submit a non- refundable fee of Rupees Ten thousand towards for application and administrative fee for processing of the application along with the application form in the manner specified in the application form. The Authority shall acknowledge receipt of the application form within seven days of receipt of such application from the applicant.

(2) The applicant shall pay an initial registration fee of Rupees twenty-five thousand within fifteen days from the date of receipt of intimation from the Authority about acceptance of its application for grant of certificate of registration as point of presence.

(3) An application, not complete in all respects and not conforming to the instructions as specified in the application form and these regulations shall be rejected:

Provided that, before rejecting any such application, the applicant shall be given a reasonable opportunity to withdraw or to complete the application in all respects and rectify the errors, if any, within such time as the Authority may specify.

(4) The Authority may seek additional information from the applicant for processing the application:

Provided that the Authority shall record the reasons in writing about the relevance of such additional information in processing of the application.

(5) Any point of presence, which was granted a permission to function as such by the Interim Pension Fund Regulatory and Development Authority immediately prior to establishment of the Authority under the Act and such permission continues to be valid as on or after the date of notification of these regulations may continue to act as such for a period of ninety days from the notification of these regulations or, if it makes an application for grant of registration within ninety days of notification of these regulations till the disposal of its application by the Authority.

4. **Fit and proper person-criteria or eligibility—**(1) The following shall be the eligibility criteria for any applicant intending to obtain a certificate of registration as a point of presence and the date, on which the application has been received for the first time by the Authority, shall be construed as the date for satisfying the following eligibility conditions by the applicant, namely:-

(a) registered and regulated by any financial regulator including the Reserve Bank of India, the Securities and Exchange Board of India, the Insurance Regulatory and Development Authority, the Pension Fund Regulatory and Development Authority and the National Housing Bank;

(b) having a minimum of fifteen branches in India with each branch having the necessary Information Technology infrastructure and capacity to electronically link to the central recordkeeping agency approved by the Authority. Each of these branches of the point of presence should have demonstrated capability to electronically transmit the subscriber's contribution and information not later than "T+1" basis where T stands for the day on which clear funds are available with the Point of Presence;

(c) minimum net worth (paid-up capital plus free reserves) of rupees two crores which shall include a minimum paid up capital of rupees fifty lakhs as on the last day of the immediately preceding financial year;

(d) shall possess a three year track record of profitability (Profit after tax) out of the last five financial years as on the last day of the immediately preceding financial year and not having any cash losses in the last two financial years;

(e) shall be in the business of marketing or selling of retail financial services or products;

(f) absence of convictions and restraint orders by any financial sector regulator or by a court of law in any of the preceding five years for any offence involving moral turpitude, economic offences, violation of any securities or banking law or fraud;

(g) conforming to any other criteria as may be specified by the Authority from time to time in the form of resolutions, notifications, circulars, guidelines, having regard to the interest of the subscribers and for orderly growth of the pension industry:

provided that,-

(i) a Central or State Public Sector Undertaking ; or

(ii) a Public sector undertaking registered under any of the Central or State Acts; or

(iii) any other entity, organization or company not falling either under (i) or (ii) mentioned above with a minimum employee strength of three hundred as on the date of making application to the Authority and which is desirous of offering National Pension System account to its employees may either join the National Pension System through a point of presence or may opt to be registered as a point of presence– corporate by applying to the Authority in the application form so specified along with a registration fee of Rupees ten thousand only. The Authority may having regard to the interest of the employees exempt the applicant at the time of making an application as point of presence- corporate, from fulfilling any or all of the eligibility criteria as mentioned in this regulation. Those employers desirous of offering National Pension System to their employees and who do not fall under any of the above shall join the National Pension System through the medium of Point of Presence only. This dispensation shall be provided to the applicant to offer National Pension System account in respect of his employees and directors only and not to others.

5. **Disclosure of information**—(1) The Authority having regard to the interest of the subscribers, may make disclosure to the public of the information on such application made by the applicant by placing such information on a website as specified by the Authority including a website maintained by the applicant:

Provided that the other relevant information furnished by the applicant and which relates to commercial confidence and private information of the applicant, which it may state as confidential, may not be disclosed by the Authority, subject to the provisions of any law or rules or regulations or any order or decision pronounced by a court of law or tribunal, as the case may be, mandating such disclosure.

(2) Any material change in the information furnished or placed on a website under these regulations shall be intimated to the Authority by the applicant promptly but not later than fifteen days of the occurrence of such change.

6. **Furnishing of information and clarification—**(1) Subject to sub-regulation (4) of regulation 3, the Authority may require an applicant to furnish any further information or clarification for the purpose of disposal of the application, and, thereafter, in regard to any other matter as may be deemed necessary by the Authority. The applicant or its principal officer shall, if so required, appear before the Authority for a personal representation in connection with an application.

(2) The applicant shall furnish such information and clarification to the satisfaction of the Authority, within the time specified in this regard by the Authority.

7. **Verification of information—**(1) While considering the application, the information furnished by the applicant and its eligibility, the Authority may, if it so desires, verify the information by physical verification of documents, office space, and inspect the availability of office space, infrastructure, and technological support which the applicant is required to have.

(2) For the purpose of verification of information, the Authority may appoint any person including any of its officers or an external auditor or agency.

8. **Consideration of application**—(1) For considering the eligibility of the applicant and grant of certificate to such applicant, the Authority shall take into account all such matters which it deems relevant to the pension sector and the National Pension System, including but not limited to the following :-

(a) whether the applicant or any of its associates have in the past been refused certificate of registration by any of the regulators including, Reserve Bank of India, the Securities and Exchange Board of India, the Insurance Regulatory and Development Authority, Pension Fund Regulatory and Development Authority and National Housing Bank and if so, the ground for such refusal;

(b) whether the applicant have in the past five years been imposed with penalties by any of the regulators referred to in clause (a) or by a court of law or tribunal, on the matters concerning violation of regulations,

directions, guidelines and circulars of the regulators and if so, the ground for such refusal or have been convicted for any offence involving moral turpitude, economic offence, violation of any securities or banking law or fraud;

(c) whether the applicant satisfies the eligibility criteria and other requirements specified in these regulations;

(d) whether the grant of a certificate to the applicant is in the interest of the subscribers or the objective of orderly development of pension sector or of the National Pension System.

(2) The Authority may invite the applicant to make a presentation to the Authority at a date, time and locations determined by the Authority. The purpose of such presentations would be to allow the applicants to present their proposal to the Authority and the key strengths in their proposals.

(3) Any application for grant of certificate of registration,-

(a) which is not complete in all respects and does not conform to the requirements and the relevant requirements specified in these regulations; or

(b) which does not contain such additional information as required by the Authority; or

(c) which is incorrect, false or misleading in nature; or

(d) where the applicant is not in compliance with the eligibility requirements as set out under these regulations or the relevant regulations; or

(e) which in the opinion of the Authority is not in the interest of subscribers and or the objective of orderly development of pension sector and the National Pension System; or

(f) where the applicant is not a 'fit and proper person' or not complying with the requirements as provided in these regulations;

shall be rejected by the Authority for reasons to be recorded in writing by the Authority.

(4) Before rejecting an application, the applicant shall be given an opportunity in writing to make good such deficiencies which can be removed, within the time specified by the Authority, for the purpose:

Provided that where an application is rejected for the reason that it contains false or misleading information, no such opportunity may be given and the applicant shall not make any application for grant of certificate of registration under these regulations or any other regulations for a period of one year from the date of such rejection.

(5) An application for grant of certificate of registration, under regulation 3, which is complete in all respects, shall be disposed of by the Authority, normally within a period of sixty days from the date of receipt of such request.

9. **Procedure for grant of certificate of registration**—(1) The Authority on being satisfied that the applicant is eligible, shall grant a certificate of registration in the form specified in Schedule-I and send intimation to the applicant in this regard:

Provided that where any pending proceeding is before the Authority or any court or tribunal which may result in the suspension or cancellation of the certificate of registration, the Authority may grant a conditional registration.

(2) The successful applicant who has been given the certificate required to submit a security deposit equivalent to one percent of its net worth or rupees five lakh, whichever is higher. The maximum security deposit shall not exceed rupees twenty lakhs. The stipulated deposit has to be deposited with any scheduled commercial bank which will not be released to the applicant unless the prior permission of the Authority is obtained or a Bank guarantee to the same extent is furnished. Such deposit certificate duly marking the lien of the Authority shall be retained by the point of presence after producing the same to Authority for verification.

(3) Every point of presence shall furnish to the Authority, as and when called upon to do so, a statement certified by the Bank in which such fixed deposit is kept.

(4) If the Authority is *prima facie* of the opinion that any point of presence or point of presence sub-entity working under the point of presence and registered with Authority has violated the terms and conditions of registration or has contravened any provisions of the Act, rules or regulations, the Authority may pass orders for attachment of the security deposit, pending the inquiry or investigation against such point of presence.

(5) Upon the request of the point of presence to waive this requirement of security deposit, the Authority may consider waiving the requirement of the security deposit for reasons to be recorded in writing, having regard to the interest of the subscribers.

(6) Within thirty working days of the date of receipt of certificate of registration, the point of presence shall enter into separate agreement with the National Pension System Trust and the central recordkeeping agency for operationalisation of National Pension System, besides any other intermediary, as may be directed by the Authority.

10. **Conditions of certificate of registration**—Any certificate of registration granted by the Authority to point of presence shall be subject to the following conditions, namely:—

(a) where the point of presence proposes to change its status or constitution, it shall obtain prior approval of the Authority for continuing to act as a point of presence after such change in its status or constitution;

(b) it pays the applicable fees and levies in accordance with the relevant regulations;

(c) it abides by the provisions of the Act, regulations, directions, guidelines and circulars as may be issued by the Authority from time to time;

(d) it meets the eligibility criteria and other requirements specified in these regulations throughout the tenure of such certificate of registration so granted:

Provided that the Authority may impose such other and further conditions as it may deem fit in the interest of subscribers and or for the orderly development of the National Pension System or the pension sector.

11. **Effect of refusal to grant certificate of registration**—(1) Where an existing point of presence has been refused grant of certificate of registration under these regulations, or has surrendered its certificate of registration, or has been directed by the Authority to cease to act as a point of presence due to non-payment of renewal fee as required by the regulations or has been directed to be wound up by an order of a court, such point of presence shall,-

(a) forthwith cease to act as such point of presence;

(b) transfer its activities to another point of presence which has been granted a certificate of registration for carrying on such activity and allow the subscribers to move to another point of presence as directed by the Authority and inform all the underlying subscribers of such a change in Point of Presence along with the reasons;

(c) make provisions as regards liability incurred or assumed by the point of presence, if any;

(d) take such other action, within the time limit and in the manner, as may be required under the applicable regulations or as may be directed by the Authority.

(2) While refusing grant of certificate of registration under these regulations to a point of presence, the Authority may impose such conditions upon the point of presence as it deems fit for protection of the interest of subscribers of the point of presence and such conditions shall be complied with.

12. **Period of validity of certificate of registration**—(1) Subject to compliance with the provisions of the Act, rules and regulations, the certificate of registration granted to a point of presence shall remain valid unless suspended or cancelled by the Authority.

(2) where a certificate of registration has been granted subject to conditions, the validity of such registration shall be construed as subject to such conditions.

(3) a point of presence may, within ninety days before the expiry of five years from the date of registration or from the date of payment of renewal fee last accepted by the Authority, make an application in the specified form to the Authority for acceptance of the renewal fee.

Provided that if the application along with renewal fee reaches the Authority, not later than one year from the date due for payment of renewal fee, an additional fee of rupees one thousand per month for such period of delay shall be payable by the applicant to the Authority:

(4) the renewal fees shall be a sum calculated at the rate of one-half percent of the charges earned out of National Pension System business in the preceding financial year subject to minimum of rupees twenty five thousand and maximum of rupees one lakh as renewal fee.

13. **Exemptions in certain cases from eligibility criteria—**(1) If any applicant including entities or institutions which propose to do only online subscriber registration, account operation and servicing activities pertaining to National Pension System does not fulfill any of the eligibility criteria as specified in these regulations, may request the Authority by making an application seeking exemption from fulfillment of such of the eligibility criteria with due justification,

(2) If in the opinion of the Authority, the non-fulfillment of any of the eligibility criteria by the applicant and of which relaxation is sought, would not prejudicially affect the interest of the subscribers, may grant exemption from such criteria by recording the reasons in writing. The Authority may in such circumstances impose such additional conditions as it may deem fit for grant of certificate of registration.

Chapter III

DUTIES AND RESPONSIBILITIES OF POINT OF PRESENCE

14. **Duties and responsibilities of point of presence**—(1) The point of presence shall perform the following duties through their service provider branches, including offices where the entire business operations are carried out totally on online platform in accordance with the provisions of the Act, rules and regulations and any guidelines and directions issued by the Authority and the operational service level agreements executed with the National Pension System Trust as also any standard operating procedure issued by the National Pension System Trust, based on the Authority's guidelines,-

(I) Duties in relation to initial customer interaction for National Pension System:

(a) addressing queries of potential subscribers regarding National Pension System.

(b) providing and displaying information, in accordance with the provisions of the scheme, as approved by the Authority including information relating to , application forms, offer documents or any other publicity material pertaining to National Pension System;

(II) Duties in relation to subscriber registration:

(a) receive the duly filled application form along with the Know Your Customer documentation as may be applicable from time to time and conduct customer due diligence procedures as required under the Prevention of Money Laundering Act, 2002 (17 of 2003) including the amendments thereof or any other law through effective use of Know Your Customer verification processes laid down by the Authority for all subscribers;

(b) the point of presence shall carry out checks, as specified in the service standards as provided in the agreement between the point of presence and National Pension System Trust;

IndiaCode

(c) the point of presence shall ensure maintenance and reporting of all transactions by subscribers in accordance with the provisions of Prevention of Money Laundering Act, 2002 (17 of 2003) including amendments thereof and the rules framed thereunder from time to time, as may be applicable;

(d) the point of presence is responsible for collecting and transmitting, the initial contribution at the time of opening of National Pension System account and subsequent contributions of subscribers made by them to the Trustee Bank;

(e) the point of presence shall be responsible for delivering the subscriber registration form and supporting documents to the central recordkeeping agency or its representative which is approved by the Authority;

(f) the point of presence shall transfer the National Pension System contributions to the National Pension System Trust account maintained with the Trustee Bank and upload the subscriber contribution files with the central recordkeeping agency within the timeframe specified by the service standards for point of presence as provided in the agreement between point of presence and the National Pension System Trust;

(2) Handling of subscriber requests such as the following:-

(a) the point of presence is responsible for receiving and processing switching requests from subscribers among schemes and among pension fund;

(b) the point of presence shall upload all requests from subscribers into the central recordkeeping agency system within the timeframe specified by the service standards, as provided in the agreement between the point of presence and the National Pension System Trust;

(c) In respect of the subscriber withdrawal requests,-the point of presence shall be responsible for receiving and processing, from subscribers for withdrawal of funds invested within the timeframe specified by the service level standards and in accordance with Pension Fund Regulatory and Development Authority (Exit and Withdrawal) regulations, 2015 or guidelines issued by the Authority. The point of presence shall not charge any extra charge for the service, other than what is permitted by the Authority;

(d) The Point of Presence shall be responsible for attending to subscriber's request for shift from one point of presence to another point of presence or to another point of presence service provider branch;
- recording the request
- updating records in central recordkeeping agency system;

(e) the point of presence shall be responsible for receiving and processing requests from subscribers for new I-Pin or T-Pin or Permanent Retirement Account Number card and other subscriber details;

(f) the point of presence is responsible for any other National Pension System account related service, as may be specified by Authority from time to time;

(g) the point of presence shall be responsible for all requests for the National Pension System related services received from the subscribers through online mode wherever the same is made available by the point of presence;

(h) the point of presence shall be responsible for receiving grievances from subscribers and uploading the same into centralized grievance management system and following up till their redressal.

(3) The point of presence shall be responsible for the following in the event of cancellation or suspension of registration by the Authority or where it ceases to be a point of presence:—

(a) the point of presence shall transfer all the data or records or documents or money (uncleared funds and cleared funds that have not been transferred to the Trustee Bank) of subscribers to any other point of presence as may be authorized or appointed by Authority for providing services, at the time of termination. All such documents and records shall be transferred without any cost to the new point of presence or its successor as may be determined by the Authority;

(b) the point of presence, which has been directed to transfer such documents and records, shall extend all necessary cooperation and support to the successor points of presence;

(c) on transfer of such documents and records, the transferor point of presence shall confirm to the transferee point of presence whether all such necessary documents and records have been transferred;

(d) the point of presence, point of presence - corporate and point of presence – sub entity shall adhere to the service standards as laid down in the agreement between the point of presence and the National Pension System Trust;

(e) the point of presence and point of presence – sub entity shall service the requests of the subscribers of any other pension scheme as referred to in clause (b) of sub-section (1) of sec 12 of the Act.

15. **Charges to be charged to the National Pension System subscribers**—(1) the charges that may be levied on the subscriber by the point of presence shall be subject to the limits and manner of collection as laid down by the Authority from time to time. No point of presence shall collect, in a direct or indirect manner, any charge or other levies in any mode or manner, from the subscriber, unless specified by Authority, from time to time. The charges payable by the subscriber to the points of presence shall comprise the following heads:—

i. initial subscriber registration and contribution upload charges subject to the limits as may be specified by the Authority from time to time.

ii. subsequent transaction charges subject to the limits as may be specified by the Authority from time to time.

(2) no other charges, other than that specified by the Authority from time to time shall be collected from the subscribers.

16. **Maintenance of books of account and audit of accounts**—(1) The following books of accounts be kept by the point of presence **:** –

(a) details of applications received and submitted to the central recordkeeping agency for registration and Permanent Retirement Account Number data generated for all such applicants;

(b) details of money received from the subscribers – in cash, by cheque, or any authorized form of remittance;

(c) details of cash held on a daily basis;

(d) details of subscriber-wise money remitted to the Trustee Bank;

(e) details of subscriber-wise instructions sent to the central recordkeeping agency.

(2) The point of presence shall follow the Segmental Method of Accounting (under the relevant accounting standards) for its National Pension System related activities and the same shall be audited.. The format and scope of such an audit shall be in conformity with the notifications, guidelines, circular etc. issued by Authority from time to time. The Audit certificate shall be submitted to the Authority as soon as practicable upon finalisation of books of point of presence's accounts but not later than ninety days from the date of such finalisation of such accounts.

17. Separation of National Pension System accounts from other businesses—Each point of presence shall ensure that all matters related to National Pension System including maintenance of accounts, flow of funds in respect of the National Pension System business are maintained separately or distinctly from its other businesses.

18. Systems and procedures—(1) Each point of presence of the National Pension System shall have all the technological capabilities, infrastructures and necessary systems and procedures that may be required to enable it to co-ordinate with other intermediaries.

(2) Each point of presence shall be responsible for the acts of commissions or omissions by its employees or the persons whose services it has procured.

19. Redressal of subscriber grievances—(1)The overall responsibility of the point of presence for redressal of subscriber grievances shall be as provided under the Pension Fund Regulatory and Development Authority (Redressal of Subscriber Grievance) Regulations, 2015. The point of presence shall ensure that an effective mechanism to receive and redress complaints from the subscribers is in place and the grievances are examined and redressed in a prompt and fair manner.

(2) The point of presence shall inform a subscriber at the commencement of relationship with the subscriber and at such other time when the information is likely to be required by the subscriber of :—

(i) the subscriber's right to seek redress for any complaints, including through the Pension Fund Regulatory and Development Authority (Redressal of Subscriber Grievances) Regulations, 2015;

(ii) the processes followed by the point of presence to receive and redress complaints from its subscribers.

(3) The point of presence shall display the grievance redressal mechanism prominently on its website.

20. Appointment of Compliance officer—(1) Each point of presence shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring compliance by it of the provisions of Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions issued by the Authority for redressal of subscriber grievances.

(2) The compliance officer shall immediately and independently report any non-compliance observed by him or her to the Authority.

21. Code of Conduct—Every point of presence shall adhere to the code of conduct at all times as specified in Schedule II.

CHAPTER IV
INSPECTION AND AUDIT

22. Inspection and audit—(1) The Authority may if it considers necessary at any time, undertake directly or through its authorized representative an inspection and audit of the books, accounts, records including the telephone records and electronic records and documents of the point of presence for any purpose, including the purposes as specified under this regulation.

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) may include:—

(a) ensuring that the books of account, records including telephone records and electronic records and documents are being maintained in the manner required under these regulations;

(b) ascertaining whether adequate internal control systems, procedures and safeguards have been established and are being followed by the point of presence;

(c) ascertaining whether the provisions of the Act or the regulations made or circulars, guidelines or notifications issued by the Authority are being complied with;

(d) inquiring into the complaints received from subscribers, nodal offices, intermediaries or any other person on any matter having a bearing on the activities assigned by the Authority to the point of presence;

(e) inquiring *suo motu* into such matters as may be deemed fit in the interest of subscribers.

(3) The Authority may, appoint one or more persons as inspecting officer or, appoint a qualified auditor to undertake the inspection or audit referred to in sub-regulation (1).

Explanation.- For the purposes of this sub-regulation, the expression "qualified auditor" shall have the meaning derived from section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

23. Notice before inspection and audit—(1) Before undertaking an inspection or audit under regulation 22, the Authority or its authorized representative or auditor shall give ten working days' notice to the point of presence;
Provided that no notice shall be required if the Authority is satisfied that an inspection or audit is required for immediate safeguarding of the interest of the subscribers.

(2) During the course of an inspection or audit, the point of presence against which the inspection or audit is being carried out shall be bound to discharge its obligations as provided in these regulations.

24. Obligations on Inspection and Audit—(1) It shall be the duty of the point of presence the affairs of which is being inspected or audited, and of every director, officer and employee thereof, to produce to the Authority, or its authorized representative or auditor, such books, accounts, records, and other documents in its custody or control and furnish it to him with such statements and information relating to the activities entrusted by the Authority, as may be required, within such reasonable period as may be specified.

(2) The point of presence shall allow the Authority or its authorized representative to have a reasonable access to the premises occupied by it or by any other person on its behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the points of presence or such other person and also provide copies of documents or other materials which in the opinion of the Authority or its authorized representative or auditor are relevant for the purpose of the inspection or audit.

(3) It shall be the duty of the point of presence to give to the Authority or its authorized representative or auditor all assistance in connection with the inspection or audit which the Authority, or its authorized representative may reasonably require.

25. Submission of report—(1) On completion of the inspection or audit, a report shall be submitted to the Authority, who after consideration of the report, may take such action as it may deem fit and appropriate in the interest of the subscribers.

(2) The Authority may *suo motu* or after consideration of the inspection report, as the case may be, order an investigation or inquiry to be conducted in the matter.

26. Payment of inspection or audit fees—The Authority shall be entitled to recover from the point of presence such expenses incurred by it for the purposes of inspection or audit undertaken directly or through its authorized representative.

27. Inspection **and audit by National Pension System Trust**—(1) The National Pension System Trust shall undertake directly or through its authorized representative inspection or audit or both of the point of presence, on an annual basis or at such other period as may be specified by the Authority in relation to operational Service Level Agreements in accordance with the provisions of Pension Fund Regulatory and Development Authority (National Pension System Trust) Regulations, 2015. The point of presence shall allow the National Pension system Trust, or its authorized representative to have a reasonable access to the premises occupied by it, books of accounts, records and provide necessary information as may be required by it for the purpose of such inspection or audit, as the case may be.

CHAPTER-V

SUSPENSION OR CANCELLATION OF CERTIFICATE AND ACTION IN CASE OF DEFAULT.

28. Cancellation or suspension of certificate of registration—(1) where any point of presence which has been granted a certificate of registration under these regulations—

(a) fails to comply with any conditions subject to which the certificate of registration has been granted to it;
(b) contravenes any of the provisions of the Act or the rules or the regulations made or any guidelines, notifications, directions, instructions or circulars issued thereunder;
(c) indulges in unfair trade practices or conducts its business in a manner prejudicial to the interests of the subscribers;
(d) fails to furnish any information as required by the Authority relating to its area of operations;
(e) does not submit periodical returns as required under the Act or by the Authority;
(f) does not cooperate in an inquiry conducted by the Authority;
(g) fails in the periodic review of its performance in terms of number of new National Pension System subscriber registrations done by the point of presence in relation to the business plan submitted at the time of registration or against any other uniform criteria applicable to all the registered point of presence;
(h) commits any acts of defaults as mentioned under section 28 of the Act,

the Authority may, without prejudice to any other action under the Act, regulations, directions, instructions or circulars issued thereunder, by order take such action in the manner provided under these regulations including cancellation or suspension of the registration of such Point of Presence and such other action, as may be deemed appropriate.

(2) point of presence once registered shall have to ensure that the eligibility conditions as mentioned in these regulations are strictly adhered to during the entire currency of the registration period and any extension thereto, failing which the registration certificate may be cancelled. A certificate evidencing compliance with the eligibility conditions shall have to be furnished by the registered point of presence to the Authority on annual basis within thirty days of closure of accounts for the financial year.

IndiaCode

29. Surrender of any certificate of registration—(1) Any point of presence, who has been granted a certificate of registration under the Act or the regulations made thereunder, desirous of giving up its activity and surrendering the certificate, may make a request for such surrender to the Authority.

(2) While disposing off a request under these regulations, the Authority may require the concerned point of presence to satisfy the Authority of the factors as it deems fit, including but not limited to the following—

(a) the arrangements made by the intermediary at its own costs and expenses for maintenance and preservation of records and other documents required to be maintained under the relevant Act, regulations and guidelines;
(b) redressal of subscriber grievances;
(c) transfer of records, funds or securities of the subscribers at its own cost and expense;
(d) the arrangements made by it for ensuring continuity of service to the subscribers;
(e) defaults or pending actions, if any.

(3) While accepting the surrender request, the Authority may impose such conditions upon the point of presence as it deems fit for the protection of interest of the subscribers of the National Pension System and the Point of presence concerned shall comply with such conditions.

(4) No point of presence shall be permitted to surrender its certificate, in respect of which any action for default has been initiated or has been contemplated by the Authority.

30. Effect of suspension, cancellation or surrender of certificate—(1) On and from the date of suspension or cancellation of the certificate, the concerned point of presence shall-

(a) not undertake any additional assignment or collect any new money or information from the subscriber. During the period of such suspension, it shall cease to carry on any activity in respect of which the certificate of registration had been granted;
(b) allow its subscribers to transfer, as the case may be, their money or assignments or allow the National Pension System Trust to withdraw any assignment given to it, without any additional cost;
(c) make provisions as regards liabilities incurred or assumed by it;
(d) take such other action including the action relating to any records or documents and information or money of the subscribers that may be in the custody or control of such point of presence, within the time limit and in the manner, as may be required under the relevant regulations or as may be directed by the Authority, while passing the order under these guidelines or otherwise.

(2) On and from the date of surrender or cancellation or suspension of the certificate of registration, the concerned point of presence shall-

(a) return the certificate of registration so cancelled to the Authority and shall not represent itself to be a holder of the certificate of registration for carrying out the activity for which such certificate had been granted;
(b) cease to carry on any activity in respect of which the certificate had been granted;
(c) transfer its activities to another point of presence, as directed by the Authority, holding a valid certificate of registration to carry on such activities and allow its subscribers to transfer their funds to the transferee entity, without any additional cost;
(d) make provisions as regards liability incurred or assumed by it;
(e) take such other action including the action relating to any records or documents and assets of the subscribers that may be in the custody or control of such point of presence, within the time limit and in the manner, as may be required under the relevant regulations or as may be directed by the Authority while passing order under these guidelines or otherwise.

31. **Appointment of designated authority**—(1) Where it appears to the designated member that any point of presence who has been granted certificate of registration under these regulations or any other concerned person has committed any default of the nature specified in regulation 28, he may appoint an officer not below the rank of a Chief General Manager, or any other officer of an equal rank as a designated authority.

(2) No officer who has conducted investigation or inspection in respect of the alleged violation shall be appointed as a designated authority.

32. **Issuance of notice—**(1) The designated authority shall, if he finds reasonable grounds to do so, issue a notice to the point of presence or any person concerned requiring it to show cause as to why the certificate of registration granted to it, should not be suspended or cancelled or why any other action provided herein should not be taken.

(2) Every notice under sub-regulation (1) shall specify the contravention alleged to have been committed by the noticee indicating the provisions of the Act, regulations, directions or circulars in respect of which the contravention is alleged to have taken place.

(3)There shall be annexed to the notice issued under sub-regulation (1) copies of documents relied on in making of the imputations and extracts of relevant portions of documents, reports containing the findings arrived at in an investigation or inspection, if any, carried out. (4) The noticee shall be called upon to submit within a period to be specified in the notice, not exceeding twenty-one days from the date of service thereof, a written representation to the designated authority.

33. **Reply by noticee—**(1) The noticee shall submit to the designated authority its written representation within the period specified in the notice along with documentary evidence, if any, in support thereof:

Provided that the designated authority may extend the time specified in the notice for sufficient grounds shown by the noticee and after recording reasons of extension in writing.

(2) If the noticee does not reply to the show-cause notice, within the time granted for the purpose, the designated authority may proceed with the matter *ex parte* recording the reasons for doing so and make recommendation as the case may be on the basis of material facts available before it.

34. **Action in case of default**—After considering the representations, if any, of the noticee, the facts and circumstances of the case and applicable provisions of the Act, regulations, directions or circulars administered by the Authority, the designated authority shall submit a report, where the facts so warrant, recommending,-
   (a) suspension of certificate of registration for a specified period;
   (b) cancellation of certificate of registration;
   (c) prohibiting the noticee to take up any new assignment or contract or launch new scheme for the period specified in the order;
   (d) debarring a principal officer of the noticee from being employed or associated with any registered intermediary or other registered person for the period specified in the order;
   (e) debarring a branch or an office of the noticee from carrying out activities for the specified period;
   (f) warning the noticee.

35. **Procedure for action on recommendation**—(1) On receipt of the report recommending measures from the designated authority, the designated member shall consider the same and issue a show cause notice to the noticee enclosing a copy of the report submitted by the designated authority calling upon the noticee to submit its written representation as to why the action, including passing of appropriate direction, should not be taken.

(2) The noticee may, within twenty-one days of receipt of the notice send a reply to the designated member who may pass appropriate order after considering the reply, if any received from the noticee and providing the person with an opportunity of being heard, as expeditiously as possible and endeavor shall be made to pass the order within one hundred and twenty days from the date of receipt of reply of the notice or hearing.

36. The designated member may pass a common order in respect of a number of noticees where the subject matter in question is substantially the same or similar in nature.

37. **Intimation of order-**—(1) Every report made by a designated authority and every order passed by the designated member under these regulations shall be dated and signed.

(2) A copy of the order passed under these regulations shall be sent to the point of presence or other concerned person and also placed on the website of the Authority.

38. **Penalty and adjudication**—The imposition of penalty, if any, on the point of presence or any person concerned shall be in accordance with the provisions of the Act and the Pension Fund Regulatory and Development Authority (Procedure for Inquiry by Adjudicating Officer) Regulations, 2015.

39. **Appeals to Securities Appellate Tribunal**—The point of presence or any person concerned may if aggrieved by any order passed by the designated member prefer an appeal before the Securities Appellate Tribunal under sub-section (1) of Section 36 of the Act.

Explanation.- For the purposes of this Chapter,-
   (a) "designated authority" means an officer of the Authority appointed under sub-regulation (1) of regulation 31;
   (b) "designated member" means the Chairperson or a whole-time Member of the Authority designated for the purpose;

"noticee" means the person to whom a notice has been issued under this Chapter.

CHAPTER VI
MISCELLANEOUS OBLIGATIONS

40. **Compensation payable to Subscribers**—In the event of the point of presence or point of presence sub-entity failing to adhere to the Service level standards prescribed in the agreement between the point of presence and National Pension System Trust including the upload of contributions as per the timelines prescribed there under shall compensate the subscriber who is aggrieved by such an act to the tune of bank rate plus two percent for the period of such delay or violation.

41. **Reports and disclosures—**The point of presence shall submit reports on the National Pension System business transacted and related matters to Authority in the prescribed forms and at the defined frequency, as laid down in this regulation, notifications, guidelines and circulars issued by Authority, from time to time.

42. **Confidentiality**—The point of presence shall maintain absolute confidentiality with respect to all records, data and information received by it under the National Pension System. The point of presence shall not, without the prior permission of Authority, produce or share such data or information as evidence, or for any other purpose, except as required by the due process of law. A point of presence shall maintain confidentiality with respect to personal information and data of the subscribers and protect the data as per the stipulations laid down in Schedule-III.

43. **Assignment of functions**—(1) A point of presence shall not transfer or assign any of its functions or obligations specified under these regulations, to any person without the prior written consent of the Authority.

(2) The point of presence desirous of assigning the functions shall apply to the Authority in the specified application providing complete details including the business plan of the entity to which the point of presence wishes to assign the functions and such form shall be signed by both the point of presence and the proposed assignee of functions. For the purpose of this regulation, such an assignee shall be called as point of presence–sub entity. The Authority may refuse or reject or impose any additional conditions as deemed fit by the Authority at the time of approval of such an application by the point of presence seeking permission for assignment of functions. The Authority may impose or stipulate such terms and conditions, including the instructions on banking operations involving subscriber contributions while accepting such an application.

(3) The eligibility criteria for such point of presence- sub entity for seeking registration from the Authority through the concerned point of presence shall be as given below:

(i) such an entity shall not be an individual and shall be a registered entity with any of the regulators including the Securities Exchange Board of India, the Reserve Bank of India, the Insurance Regulatory and Development Authority, the Pension Fund Regulatory and Development Authority and the National Housing Bank or a company registered under Companies Act, 1956 or Companies Act, 2013 or a society registered under Societies Registration Act, 1860 or a Trust created under Indian Trusts Act, 1882 and is in the business of dealing with sale, distribution or advisory services of financial services products for commercial gain or working with a social motto of spreading the beneficial services to the citizens;

(ii) such an entity meeting the criteria as specified in clause (i) would include a special purpose vehicle which may carry out only online sale and distribution of National Pension System product;

(iii) such entity shall apply to the Authority in the specified application form along with the recommendation and Certification of its intent by a registered point of presence along with a onetime registration fee of rupees five thousand only and if in the opinion of the Authority, the application is in order and serves the interests of the subscribers of National Pension System, it may register such entity as a point of presence-sub entity and allow it to carry on the business of transacting the National Pension System business as per these regulations and any other notifications, guidelines, circulars etc. issued by the Authority from time to time.

(4) The liability of the point of presence for any acts of omission or commission by the point of presence-sub entity in discharge of its functions shall be joint and several in case of any liability arising out of such assignment of functions by point of presence to point of presence-sub entity.

(5) The charges payable to point of presence sub-entity provided under point of presence would be as per the contractual agreement between the point of presence and point of presence sub-entity and subject to the condition that the subscriber should not be charged beyond rates permitted by Authority for the particular service for a point of presence and issued through notifications, guidelines, circulars etc from time to time. All such agreements referred above between the point of presence and point of presence sub-entity shall be filed with National Pension System Trust within fifteen days of entering into such an agreement by the point of presence, along with the approval granted by the Authority for acting as point of presence sub-entity.

(6) The Authority may cancel the approval provided for allowing such point of presence-Sub-entities based upon the review of performance in terms of number of new National Pension System registrations done, services rendered to the subscribers or if in the opinion of the Authority it is not in the interest of subscribers and or the objective of orderly development of Pension Sector and/ or National Pension System.

(7) Such authorized point of presence sub-entity shall not be affiliated to more than one point of presence.

(8) Such entities which are allowed to function as point of presence sub-entity shall get registered with the central recordkeeping agency post approval from Authority for activating their operations.

(9) The approved point of presence-sub entity shall—

(a) pay the fees as specified by Authority for registering as point of presence sub-entity;

(b) abide by the Code of Conduct specified in this regulation for the point of Presence;

(c) enter into an agreement with the point of presence for specifying the scope of his authority, responsibilities and mutual liabilities arising out of National Pension System transactions;

(d) comply with the rules, regulations and guidelines issued by Authority in relation to National Pension System;

(e) keep and maintain the books and documents specified under rules, regulations and guidelines issued by Authority in relation to National Pension System;

(f) comply with the Know Your Customer requirements prescribed by Authority for National Pension System while transacting National Pension System business;

(g) at all times maintain strict confidentiality with regard to all matters, documents, information or data already exchanged or to be exchanged in relation to any subscriber.

(10) General Obligations: point of presence-sub entity shall—

(i) provide subscriber registration forms to the applicant or prospective applicant for registration in National Pension System;

(ii) receive subscriber registration form in Authority's prescribed format duly filled and signed by the subscriber along with the necessary documentation;

(iii) ensure that prescribed Know Your Customer documents have been attached with the Subscriber registration form;

(iv) ensure that the subscriber registration form submitted by the applicant is complete in all respects;

(v) ensure that contribution is collected only by means of cheque/Demand Draft drawn in favour of "Name of the point of presence with whom such point of presence-SE is registered – collection account – National Pension System Trust". As Illustration, if the point of presence sub-entity is registered with State Bank of India then the instrument will be in favour of "SBI collection account – National Pension System Trust". Collection of National Pension System contributions by way of cash is not permitted for point of presence sub-entity;

(vi) ensure that Service Standards as provided in the agreement between the point of presence and National Pension System Trust are adhered to.

CHAPTER VII

POWER OF AUTHORITY TO ISSUE CLARIFICATION AND DIRECTION

44. **Power of Authority to issue clarifications—**In order to remove any difficulties in the application or interpretation of these regulations, the Authority shall have the power to issue clarifications and guidelines in the form of notes or circulars which shall be binding on the point of presence or any person connected with it.

45. **Power of Authority to issue directions**—(1) Without prejudice to any order under Chapter V of these regulations, the Authority may, in the interest of the subscribers or for the purpose of securing the proper management of point of presence, issue necessary directions,

(a) directing the point of presence to refund any contributions or money collected from the subscribers under National Pension System with or without interest;

(b) any other direction which the Authority may deem fit and proper in the circumstances of the case:

Provided that before issuing any directions, the Authority shall give to the persons concerned, a reasonable opportunity of being heard:

Provided further that if the circumstances warrant that any interim direction is required to be passed immediately, the Authority may give to the persons concerned, a reasonable opportunity of being heard after passing the direction, without any undue delay.

SCHEDULE–I

Pension Fund Regulatory and Development Authority (Points of Presence) Regulations, 2015

(See Regulation 9)

CERTIFICATE OF REGISTRATION

REGISTRATION No. …….

Certification of Registration and Commencement of Business as Points of Presence for NPS

a. In exercise of the powers conferred by sub-section 3 of Section 27 of the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013, the Authority hereby grants this Certificate of Registration to M/s …….. , to act as a Point of Presence under National Pension System (NPS).

b. The registration code for Point of Presence (POP) is----------

The Certificate of Registration granted shall remain valid unless suspended or cancelled by the Authority and subject to adherence to the terms and conditions provided under the Pension Fund Regulatory and Development Authority Act, 2013 (23 of 2013) and Pension Fund Regulatory and Development Authority (point of presence) Regulations, 2015 and shall not be construed to be in compliance with or in conformity to any other Act, rules or regulations.

Date:

Place: New Delhi

By Order
For and on behalf of
Pension Fund Regulatory and Development Authority

SCHEDULE-II

Pension Fund Regulatory and Development Authority (Points of Presence) Regulations, 2015

(See regulation 21)

CODE OF CONDUCT

(1) Point of presence shall avoid conflicts of interest in managing the affairs of the National Pension System subscribers and keep the interest of all subscribers paramount in all matters. In case of any conflict between the interests of a subscriber and that of the point of presence or its representative, precedence may be given to the subscribers' interests.

(2) Subscribers shall be provided with updated information on National Pension System through fair disclosure mechanism as may be prescribed by the Authority from time to time to enable informed decision making by the subscriber:

a) Sufficiently before the subscriber enters into a financial contract, so as to allow the subscriber reasonable time to understand the information;

(b) on a continuing basis through its website, and within a reasonable time-period from the occurrence of any material change or at reasonable periodic intervals, as applicable; and

(c) in writing and in a manner that is likely to be understood by the subscriber

(3) The point of presence shall ensure that it has not given any undue or unfair advantage to any associates or dealt with any of the associates of its business in any manner detrimental to interest of the subscribers.

(4) The point of presence shall maintain high standards of integrity and fairness in all their dealings and in the conduct of their business. They shall render at all times high standards of service, exercise due diligence which implies a standard of skill and care that is commensurate with honest market practice, good faith, profile of customer, the extent of dependence of the subscriber on the point of presence and exercise independent professional judgment.

(5) The point of presence shall not make any exaggerated statement, whether oral or written, either about their qualifications or capability to render services or their achievements.

(6) point of presence are prohibited from indulging in unfair conduct, i.e an act or omission that significantly impairs, or is likely to significantly impair, the ability of a subscriber to make an informed transactional decision and includes conduct that is misleading or abusive, while dealing with subscribers.

Schedule III

Pension Fund Regulatory and Development Authority (Points of Presence (POP)) Regulations, 2015

(See regulation 42)

Protection of personal information by point of presence

1. Personal information as any information that relates to a subscriber or allows a subscriber's identity to be inferred, directly or indirectly, and includes:
   - Name and contact information;
   - Biometric information, in case of individuals;
   - Information relating to transactions in, or holdings of, financial products;
   - Information relating to the use of financial services; or
   - such other information as may be specified by regulations
2. A point of presence shall –
   (a) not collect personal information relating to a subscriber in excess of what is required for the provision of a National Pension System;
   (b) maintain the confidentiality of personal information relating to subscribers and not disclose it to a third party, except where required under law;
   (c) make best efforts to ensure that any personal information relating to a subscriber that it holds is accurate, up to date and complete;
   (d) ensure that subscribers can obtain reasonable access to their personal information, subject to any exceptions that the Authority may specify; and
   (e) allow subscribers an effective opportunity to seek modifications to their personal information to ensure that the personal information held by the point of presence is accurate, up to date and complete.
3. A point of presence provider may disclose personal information relating to a subscriber to a third party only if –
   (a) It has obtained prior written informed consent of the subscriber for the disclosure, after giving the subscriber an effective opportunity to refuse consent;
   (b) The subscriber has directed the disclosure to be made;
   (c) The Authority has approved or ordered the disclosure, and unless prohibited by the relevant law or regulations, the subscriber is given an opportunity to represent under such law or regulations against such disclosure;
   (d) The disclosure is made to protect against or prevent actual or potential fraud, unauthorised transactions or claims, if the point of presence arranges with the third party to maintain the confidentiality of the personal information in the manner required under this regulation.

HEMANT G. CONTRACTOR, Chairperson

[ADVT.-III/4/Exty./203/14]

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.